



भारत की युवा आबादी विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही: प्रधानमंत्री

मोदी ने बांटे 51,000 नियुक्ति पत्र

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को रोजगार मेले के 19वें संस्करण के तहत विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नव नियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और कहा कि भारत की युवा आबादी देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नव नियुक्त युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि रोजगार मेला युवाओं को नए रोजगार अवसर उपलब्ध कराने तथा राष्ट्र निर्माण में, उनकी भूमिका को सशक्त बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

श्री मोदी ने कहा, देश के युवा विकसित भारत में प्रगति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। रोजगार मेला युवा शक्ति को नए अवसर प्रदान करने एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को मजबूत करने के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है देश में बढ़ते वैश्विक विश्वास पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि युवा प्रतिभा और तीव्र तकनीकी प्रगति के कारण दुनिया भारत के साथ साझेदारी करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, हरित हाइड्रोजन एवं सतत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में तेजी से



विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश से युवाओं के लिए लाखों रोजगार का सृजित हो रहा है। प्रधानमंत्री ने ग्रामीण भारत में दिखाई देने वाले परिवर्तन की ओर भी इशारा करते हुए कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी किसानों, छोटे व्यापारियों

एवं छात्रों के लिए नए अवसर उत्पन्न कर रही है। उन्होंने कहा कि आज गांवों में भी तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ किसानों, छोटे व्यापारियों और छात्रों के लिए नए अवसर खुल गए हैं। नव नियुक्त अधिकारियों से लोक सेवा का राष्ट्रीय सेवा का एक साधन समझने का आह्वान करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भारतीय युवा वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं और उन्हें शासन में भी वही ऊर्जा और भावना लानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नाइजीरिया और इटली सहित विभिन्न देशों की अपनी हालिया यात्राओं के दौरान हुए समझौतों का भी उल्लेख किया।

जहाज निर्माण में बढ़ते रोजगार

पीएम मोदी ने कहा कि स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देशों के साथ ग्रीन बदलाव और टिकाऊ तकनीक को लेकर सहयोग बढ़ रहा है। इससे भारत भविष्य की विनिर्माण आधारित उद्योगों में मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात और नॉर्वे के साथ साझेदारी से भारत का जहाज निर्माण तंत्र और मजबूत बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में इंजीनियरों, तकनीशियनों और कुशल कामगारों की मांग बहुत तेजी से बढ़ने वाली है।

महिलाओं की भागीदारी पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हर भारतीय वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश अलग-अलग क्षेत्रों में निवेश कर रहा है, जिससे युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्माण में बड़ी ताकत बन चुका है और गांवों में भी तेजी से बदलाव दिखाई दे रहा है। संपर्क सुविधाएं बढ़ने से किसानों, छोटे व्यापारियों और विद्यार्थियों के लिए नए रास्ते खुले हैं।

डिजिटल सेक्टर पर भी फोकस

पीएम मोदी पहले भी कह चुके हैं कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से बढ़ रहा है। सरकार के मुताबिक देश में लगभग दो लाख रजिस्टर्ड स्टार्टअप हैं, जो 21 लाख से ज्यादा युवाओं को रोजगार दे रहे हैं। डिजिटल इंडिया और नई टेक्नोलॉजी आधारित सेक्टरों में भी नौकरियों के अवसर बढ़े हैं। सरकार यह भी कह रही है कि कई देशों के साथ व्यापार और आवाजाही समझौते किए जा रहे हैं, जिससे भारतीय युवाओं को विदेशों में भी रोजगार के नए रास्ते मिल सकें।

लेह के पास सेना का चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

नयी दिल्ली। लेह के पास पूर्वी लद्दाख के ऊंचे इलाके वाले तांग्त्से सेक्टर में एक चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन एक वरिष्ठ कमांडर समेत भारतीय सेना के तीन सुरक्षित बच गये। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। यह घटना 20 मई को लद्दाख के ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाके में एक ऑपरेशनल उड़ान के दौरान हुई थी। इस दुर्घटना की जानकारी शुक्रवार को ही सामने आई। गौरतलब है कि लद्दाख दुनिया के सबसे मुश्किल उड़ान वाले इलाकों में से एक है। अधिकारियों के मुताबिक, हेलीकॉप्टर में सेना की तीसरी इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल सचिन मेहता सवार थे, जबकि एक लैफ्टिनेंट कर्नल और एक



मेजर विमान उड़ा रहे थे। तीनों लोग इस दुर्घटना में सुरक्षित बच गये। सेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया है। शुरुआती जांच चल रही है, हालांकि घटना के सही कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। उल्लेखनीय है कि चीता हेलीकॉप्टर, जो एक हल्का यूटिलिटी विमान है और लंबे समय से भारत के ऊंचे इलाकों में होने वाले हवाई अभियानों की रीढ़ माना जाता रहा है। दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे लैंडिंग ग्राउंड्स और दूरदराज की अग्रिम चौकी उड़ान भरने में सक्षम इस हेलीकॉप्टर ने लद्दाख, सियाचिन ग्लेशियर और पूर्वोत्तर जैसे इलाकों में सैनिकों की आवाजाही, घायलों को निकालने, जासूसी मिशन और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट में अहम भूमिका निभाई है।



रायपुर। वित्त मंत्रीओपी चौधरी ने आज नवा रायपुर में संचालित महत्वपूर्ण विकास कार्यों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अंतरिक्ष यान के उन्नत संस्करण की पहली परीक्षण उड़ान लॉच की

वाॅशिं'गट न।

अमेरीकी उद्योगपति एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने अपने स्टारशिप अंतरिक्ष यान के उन्नत संस्करण की पहली परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक लॉच की है। इस कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के अनुसार यह परीक्षण उड़ान टेक्सास के बोका चिका में स्टारबेस लॉन्च स्थल से की गयी। स्पेस एक्स ने इससे पहले शुक्रवार को इस



परीक्षण उड़ान को रद्द कर दिया था। श्री मस्क ने बाद में एक्स पर कहा कि परीक्षण रद्द होने की वजह यान में कोई तकनीकी खराबी नहीं थी। उन्होंने बताया कि लॉन्च टावर की आर्म को सुरक्षित रखने वाली एक हाइड्रोलिक पिन् नहीं उड़ान टेक्सास के बोका चिका में निकाली गई थी। उन्होंने आगे कहा कि इस समस्या का समाधान जल्द ही हो जाना चाहिए।

चीन की कोयला खदान में गैस विस्फोट में 90 लोगों की मौत

नईदिल्ली। चीन के उत्तरी प्रांत शांक्सी में एक कोयला खदान में हुए भीषण गैस विस्फोट में कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया के अनुसार हादसा शुक्रवार शाम चांगझी शहर स्थित लिउशेन्गु कोयला खदान में हुआ, जहां विस्फोट के समय बड़ी संख्या में मजदूर भूमिगत काम कर रहे थे। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, शुरुआती जानकारी में करीब 247 मजदूरों के खदान में फंसे होने की आशंका जताई गई थी। शनिवार सुबह एजेंसी ने पहले आठ लोगों की मौत और 38 मजदूरों के फंसे होने की जानकारी दी थी, बाद में मृतकों की संख्या बढ़कर 82 हो गई। लेकिन शनिवार शाम तक मृतकों की संख्या बढ़कर 90 हो गई। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। बचाव दल लगातार खदान के भीतर फंसे मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घायलों के इलाज और फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हादसे की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

मोदी पर विवादित बयान, अजय राय के खिलाफ एफआईआर

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने और सार्वजनिक व्यवस्था में बाधा डालने के आरोपों के बाद महोबा जिले में उत्तर प्रदेश राज्य कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की, जिसमें राय के नेतृत्व में एक सभा दिखाई दे रही थी और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को अवरुद्ध किया जा रहा था। सहायक पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया कि 22 मई 2026 को सोशल मीडिया के माध्यम से हमें एक वीडियो मिला, जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अपने समर्थकों के साथ गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होकर सरकारी कामकाज में बाधा डाल रहे थे और उन्होंने एक सार्वजनिक सड़क को भी अवरुद्ध कर दिया था। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी भी की। महोबा स्थित कोतवाली पुलिस स्टेशन में शिकायत प्राप्त हुई है।

बिहार सरकार का नीट छात्रों के लिए मुफ्त बस यात्रा का ऐलान

पटना। मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के पेपर लीक विवाद के बाद अनिश्चितता और मानसिक तनाव का सामना कर रहे बिहार के लाखों परीक्षार्थियों के लिए एक बहुत बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घोषणा की है कि राज्य में आयोजित होने वाली नीट की दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले सभी उम्मीदवारों को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी जाएगी। बिहार राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली इस विशेष सुविधा का लाभ उठाने के लिए छात्रों को यात्रा के दौरान बस कंडक्टर को केवल अपना वैध नीट एडमिट कार्ड दिखाना होगा। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब हजारों छात्र और उनके परिवार, पेपर लीक विवाद के चलते पहले हुई नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने के बाद से ही तनाव और अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। 3 मई को हुई नीट-यूजी परीक्षा, पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द कर दी गई थी।

राज्यसभा की याचिका समिति के अध्यक्ष बने राघव चड्ढा

नई दिल्ली। आप पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। राघव चड्ढा को उच्च सदन यानी राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इस समिति का पुनर्गठन करते हुए इसमें दस सदस्यों को नामांकित किया है। राघव चड्ढा की यह नियुक्ति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। राज्यसभा सचिवालय की ओर से जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में इस नियुक्ति की पुष्टि की गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि सभापति सीपी राधाकृष्णन ने याचिका समिति का पुनर्गठन किया है, जो 20 मई से प्रभावी हो गया है। राघव चड्ढा को इस महत्वपूर्ण समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। राघव चड्ढा पिछले कुछ समय से अपनी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर काफी चर्चा में रहे हैं। इस 10 सदस्यीय समिति में राघव चड्ढा के अलावा देश के कई अन्य प्रमुख सांसदों को शामिल किया गया है।

तमिलनाडु के बाद अब राज्यसभा की सीटों पर टीवीके की नजर

चेन्नई। तमिलनाडु से राज्यसभा की एक रिक्त सीट के लिए होने वाला चुनाव राज्य की राजनीति में नई हलचल लेकर आया है। यह चुनाव 18 जून को होगा और इसे सत्तारूढ़ टीवीके नीत सरकार के लिए पहली बड़ी संसदीय परीक्षा माना जा रहा है। हालिया विधानसभा चुनाव में विजय के नेतृत्व में टीवीके के सत्ता में आने के बाद यह पहला राज्यसभा चुनाव होगा। यह सीट सीवी शनमुगम के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। शनमुगम ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मेलम सीट से जीत दर्ज करने के बाद राज्यसभा सदस्यता छोड़ दी थी। इस चुनाव को लेकर अब सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर उम्मीदवार चयन और सहयोगी दलों को साधने की रणनीति पर चर्चाएं तेज होने की उम्मीद है। राजनीतिक हलकों में खास तौर पर इस बात पर नजर है कि टीवीके इस सीट पर अपना उम्मीदवार उतारेगी या गठबंधन प्रबंधन के तहत किसी सहयोगी दल को मौका देगी। कांग्रेस पर भी सबकी नजरें टिकी हैं, जिसने टीवीके सरकार को समर्थन देने में अहम भूमिका निभाई थी। तमिलनाडु विधानसभा की वर्तमान प्रभावी संख्या 233 है।

जातिगत जनगणना पर सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक मुहर

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत में वर्षों से चल रही जातिगत जनगणना की बहस को बुधवार 20 मई 2026 को एक निर्णायक मोड़ तब मिला, जब भारतीय सुप्रीमकोर्ट ने जातिगत जनगणना के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इस फैसले ने केवल एक कानूनी विवाद का अंत नहीं किया, बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी दे दिया कि भारत में होने वाली जनगणना 2027 पूरी तरह संवैधानिक, कानूनी और नीतिगत अधिकारों के दायरे में संचालित का रहा है। बता दें इसके पूर्व भी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (11 अक्टूबर, 2026) को केंद्र को जाति जनगणना

रोकने का निर्देश देने वाली याचिका को खारिज कर दियाथा और जनहित याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए याचिकाकर्ता की कड़ी आलोचना की। पिछले कुछ महीनों से जातिगत जनगणना को लेकर राजनीतिक, सामाजिक और वैचारिक स्तर पर तीखी बहस चल रही थी। कुछ वर्ग इसे सामाजिक न्याय का आधार बता रहे थे, जबकि विरोधी पक्ष इसे सामाजिक विभाजन बढ़ाने वाला कदम कह रहा था। किंतु सर्वोच्च अदालत के ताजा निर्णय ने यह स्थापित कर दिया कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह अधिकार है कि वह देश की सामाजिक संरचना, विशेषकर पिछड़े वर्गों की

वास्तविक संख्या और स्थिति को समझने के लिए डेटा एकत्र करे, ताकि उसके आधार पर कल्याणकारी योजनाएं बनाई जा सकें। मैं यह मानता हूं कि भारत की जनगणना 2027 केवल एक पारंपरिक जनगणना नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे डिजिटल इंडिया और डेटा-आधारित गवर्नेंस के सबसे बड़े सामाजिक न्याय का आधार बता रहे थे, जा रहा है। लगभग डेढ़ सौ वर्षों से चली आ रही जनगणना व्यवस्था अब तकनीकी रूप से आधुनिक स्वरूप में प्रवेश कर चुकी है।



साथियों इस बार की जनगणना दो बड़े चरणों में आयोजित की जा रही है। पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हुआ, जिसमें हाउस लिस्टिंग और आवासीय गणना की प्रक्रिया अपनाई गई। 16 अप्रैल से 15 मई 2026 तक चले इस चरण में देशभर के घरों, संपत्तियों, भवनों, आवासीय सुविधाओं, जल स्रोतों, बिजली, इंटरनेट, शौचालय, रसोई, वाहन और

सामाजिक-आर्थिक आधारभूत संरचनाओं से संबंधित डेटा संकलित किया गया। यह चरण केवल जनसंख्या गिनने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह देश की जीवन-स्थितियों का व्यापक सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण भी बन गया। जनगणना का दूसरा चरण वर्ष 2027 में प्रारंभ होगा, जिसमें प्रत्येक परिवार और उसके सदस्यों की विस्तृत व्यक्तिगत जानकारी दर्ज की जाएगी। इसमें आयु, शिक्षा, रोजगार, भाषा, वैवाहिक स्थिति, प्रवासन, सामाजिक वर्गों और विशेष रूप से जातिगत विशेषता शामिल होंगे। पहली बार इतनी सुविधाओं, जल स्रोतों, बिजली, इंटरनेट, शौचालय, रसोई, वाहन और

आधारित डेटा एंट्री, ऑनलाइन सत्यापन और केंद्रीकृत डेटा मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य केवल आंकड़े जुटाना नहीं, बल्कि डेटा आधारित नीति निर्माण को मजबूत करना है। यही कारण है कि जातिगत आंकड़ों को अब सामाजिक न्याय और ससाधन वितरण के दृष्टिकोण से सटीक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। साथियों, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कहा कि जातिगत जनगणना करना या न करना सरकार का नीतिगत अधिकार है। अदालत ने कहा कि जब तक कोई नीति संविधान या कानून का उल्लंघन नहीं करती, तब तक

न्यायपालिका उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अदालत की यह टिप्पणी भारतीय लोकतंत्र में शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को भी मजबूती देती है, जहां नीति निर्माण कार्यपालिका का क्षेत्र माना जाता है और न्यायपालिका केवल वैधानिकता की समीक्षा करती है। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार के लिए यह जानना जरूरी है कि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग और सामाजिक रूप से वंचित समूहों की वास्तविक संख्या कितनी है, ताकि उनके लिए उपयुक्त कल्याणकारी योजनाएं बनाई जा सकें। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जाति आधारित गणना अपने आप में असंवैधानिक नहीं है।

दंतेवाड़ा के जंगलों से पांच किग्रा कुकर बम बरामद

जगदलपुर। दंतेवाड़ा जिले के बारसूर थाना क्षेत्र के ग्राम हिड़पाल के जंगलों में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। जवानों ने सर्चिंग अभियान के दौरान पांच किलोग्राम वजन की एक कुकर बम बरामद किया। इस विस्फोटक को मौके पर ही सावधानीपूर्वक नष्ट कर दिया गया। सीआरपीएफ के कमांडेंट अनिल कुमार सिंह ने बताया कि आज मुखबिर की सूचना मिली। इसके आधार पर ग्राम हिड़पाल और आसपास के पहाड़ी तथा वन क्षेत्र में अभियान चलाया गया। सुरक्षा बलों ने संयुक्त रूप से सर्च और कॉम्बिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान लगभग पांच किलोग्राम वजनी एक प्रेशर कुकर आईईडी मिला।

यह विस्फोटक सामग्री क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आम नागरिकों के लिए गंभीर खतरा थी। जवानों

पैसों का लेन-देन और पुरानी रंजिश में वारदात, हथियार के साथ 3 शूटर गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। सक्ती जिले के बिरां थाना क्षेत्र के करही गांव में 23 अप्रैल को हुए गोलीकांड का पुलिस ने शनिवार को खुलासा कर दिया है। मामले में सफलता हासिल करते हुए 3 आरोपियों को पिस्टल और मैगजीन के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतक आयुष के परिवार से पैसों के लेन-देन, व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा और बढ़ते प्रभाव के कारण हत्या की साजिश रची गई थी। पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने के लिए 20 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तकनीकी साध्य जुटाए, संदिग्धों से लगातार पूछताछ की। इस बीच साइबर और आसूचना टीम लगातार सक्रिय रही। वहीं गुजरात, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, ओडिशा, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर सहित 7 राज्यों में पुलिस की अलग-अलग टीम ने दबिश भी दी। सभी आरोपी सक्ती जिले के रहने वाले हैं।

गिरफ्तार आरोपियों में 23 साल के भूषण बघेल, 23 साल के हेमंत कुमार बघेल और 28 साल के अमित टंडन शामिल हैं। इनके कब्जे से एक पिस्टल और मैगजीन, एक अतिरिक्त खाली मैगजीन, घटना में इस्तमाल मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। पूरी वारदात बिरां थाना क्षेत्र अंतर्गत करही गांव की है। 23 अप्रैल की करीब रात 12 बजे तीन अज्ञात नकाबपोश हमलावर

जवानों ने मौके पर किया नष्ट; सामने आया वीडियो



ने बम को खोजने के बाद सुरक्षित तरीके से नष्ट करने का निर्णय लिया। बीडीडी टीम और सिविल पुलिस ने सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया। उन्होंने मौके पर ही

आईईडी को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया।

ग्राम बलों ने 23 मई को ग्राम हिड़पाल और उसके आसपास के क्षेत्रों में गहन तलाशी

अभियान चलाया। यह अभियान मुखबिर से मिली विशिष्ट सूचना पर आधारित था। संयुक्त सर्च और कॉम्बिंग के दौरान जंगल में छिपाया गया विस्फोटक मिला। बरामद किया गया आईईडी एक प्रेशर कुकर में था और इसका वजन लगभग पांच किलोग्राम था। विस्फोटक सामग्री से क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आम नागरिकों की सुरक्षा को बढ़ा खतरा था। जवानों ने सबसे पहले बम को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के बजाय मौके पर ही नष्ट करने का फैसला किया। बीडीडी टीम और सिविल पुलिस ने सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए इसे नष्ट किया। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि या क्षति नहीं हुई। अभियान के जफान समापन के बाद सभी जवान सुरक्षित अपने आधार शिविर लौट गए।

भीषण गर्मी में पानी-बिजली की मार, 7 दिन से ठप है जल की सप्लाई

कोरबा। जिले में भीषण गर्मी के बीच पानी और बिजली की क्लिष्ट से लोग परेशान हैं। कटघोरा के रहमानिया नगर में पिछले सात दिनों से पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप है, जबकि बिजली की लगातार कटौती ने जनजीवन मुहाल कर दिया है। जिले में भीषण गर्मी के कारण पानी और बिजली की गंभीर क्लिष्ट हो गई है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक हालात बदतर हैं, जिससे लोग परेशान हैं।

महासमुंद में खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में खनिज विभाग अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। विभाग का मैदानी अमला सक्रियता के साथ निगरानी एवं जांच अभियान संचालित कर रहा है। इसी कड़ी में महासमुंद में खनिज विभाग को बड़ी सफलता मिली है। केंद्रीय खनिज उडुनदस्ता एवं जिला स्तरीय खनिज विभाग की संयुक्त टीम सुबह सुबह महासमुंद जिले में औचक निरीक्षण करने पहुंची। निरीक्षण के दौरान महासमुंद जिले की पिथौरा तहसील अंतर्गत ग्राम बल्दीडीह स्थित जोंक नदी में रेत का अवैध खनन और परिवहन किया जा रहा था। मौके पर पहुंचे खनिज अधिकारियों ने पूछताछ



कटघोरा के रहमानिया नगर वार्ड में पिछले सात दिनों से पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। बिजली की लगातार कटौती ने भी जनजीवन को मुहाल कर दिया है।

परेशान वार्डवासियों ने शुरुवार को नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही नगर पालिका अध्यक्ष राज जायसवाल ने

अबिवाकपुर। सरगुजा जिले के मैनपाट विकासखंड से सरकारी व्यवस्था की पोल खोलती एक भावुक तस्वीर सामने आई है। यहां एक बहू अपनी 90 वर्षीय बुजुर्ग सास को पीठ पर लादकर पेंशन दिलाने के लिए हर महीने करीब 9 किलोमीटर पैदल चलने को मजबूर है। यह घटना मैनपाट ब्लॉक के ग्राम पंचायत कुनिया के जंगलपारा की है। जंगलपारा में रहने वाली सुखमुनिया बाई अपनी वृद्ध सास को बैंक तक पहुंचाने के लिए पहाड़ी और दुर्गम रास्तों से गुजरती हैं। बुजुर्ग महिला को वृद्धावस्था पेंशन मिलती है। पहले गांव में ही पेंशन राशि उपलब्ध हो जाती थी, जिससे उन्हें कहीं आने-जाने की जरूरत नहीं पड़ती थी। पिछले कुछ महीनों से बैंक द्वारा फिंगरप्रिंट और भौतिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है। इसी कारण वृद्धा को स्वयं बैंक पहुंचना पड़ रहा है। बहू सुखमुनिया बाई हर महीने अपनी सास को पीठ पर उठाकर नर्मदापुर स्थित सेंट्रल बैंक तक पहुंचती हैं। उन्हें भीषण गर्मी में पथरीले और



जागरूक एवं संवेदनशील बनाना था। यह आयोजन वन मंडलाधिकारी रमेश जांगड़े एवं उप वन मंडलाधिकारी देवेंद्र गांड के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त कृषि विकास अधिकारी एवं जैव विविधता विशेषज्ञ बी. राव गोडबोले रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंद्रावती टाडगर रिजर्व के उप संचालक संदीप बलगा (आईएफएस) उपस्थित थे। कार्यक्रम में उप वन मंडलाधिकारी अजय कावेरे,

मनोज बघेल, नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड सदस्य एम. सुरज सहित अन्य अधिकारी एवं विशेषज्ञ भी शामिल हुए। इस अवसर पर स्वामी आत्मानंद विद्यालय, बीजापुर के समर कैंप में शामिल विद्यार्थियों ने चित्रकला, कविता एवं नृत्य प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता बचाने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि बी. राव

गोडबोले ने स्थानीय औषधीय पौधों एवं उनके पारंपरिक उपयोगों की जानकारी साझा करते हुए क्षेत्र में पाए जाने वाले दुर्लभ पौधों के बीज भी वितरित किए। वहीं एम. सुरज ने ऊदबिलाव, जंगली भैंसा, सर्प सहित संकटग्रस्त वन्यजीवों से जुड़े वीडियो प्रस्तुत कर स्थानीय वन्यजीव संपदा के महत्व से अवगत कराया।

उप संचालक संदीप बलगा ने युवाओं से जैव विविधता संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सतत उपयोग अत्यंत आवश्यक है। अजय कावेरे एवं मनोज बघेल ने भी जैव विविधता संरक्षण के आवश्यकता और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे।

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने व्यवस्था नहीं सुधरने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। लगातार बिजली कटौती से पढ़ाई करने वाले बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। रात में बिजली गुल होने से वे पढ़ नहीं पा रहे हैं। छोटे-बड़े व्यापारी भी परेशान हैं, क्योंकि इन्वर्टर जवाब दे रहे हैं और कारोबार ठप हो रहा है। भीषण गर्मी में बिजली न होने से बुजुर्ग और बीमार लोग बेहाल हैं। रात में मच्छरों के आतंक से

उनकी नींद भी पूरी नहीं हो रही है। ग्रामीण कांग्रेस जिला अध्यक्ष मनोज चौहान ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मेटेनैस के नाम पर घंटों बिजली काटी जाती है, लेकिन स्थिति नहीं सुधरती। स्मार्ट मीटर लगाकर लोगों को लूटा जा रहा है, फिर भी बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी घंटों अशोषित कटौती हो रही है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल राहत की मांग की है।

सास को पीठ पर लादकर 9 किमी पैदल चली बहू



थी। पिछले कुछ महीनों से बैंक द्वारा फिंगरप्रिंट और भौतिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है। इसी कारण वृद्धा को स्वयं बैंक पहुंचना पड़ रहा है। बहू सुखमुनिया बाई हर महीने अपनी सास को पीठ पर उठाकर नर्मदापुर स्थित सेंट्रल बैंक तक पहुंचती हैं। उन्हें भीषण गर्मी में पथरीले और

ऊबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरना पड़ता है। कई स्थानों पर नदी और नालों को पार करना भी उनकी मजबूरी है। इस घटना का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद लोगों में व्यवस्था को लेकर नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार डिजिटल इंडिया और घर-घर सुविधाएं पहुंचाने के दावे करती है। वहीं वनांचल क्षेत्रों के बुजुर्ग आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। यह तस्वीर ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर करती है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अत्यधिक बुजुर्ग, दिव्यांग और असहाय लोगों के लिए पेंशन भुगतान की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।

छत्तीसगढ़

प्रमुख समाचार

टावर पर चढ़ा युवक, एक घंटे तक चला हाईवोल्टेज झ्रामा

धमतरी। जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक युवक अचानक हाईटेशन ट्रांसमिशन टावर पर चढ़ गया। युवक को टावर पर चढ़ा देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटना धमतरी जिले के भखारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भेण्डरा की बताई जा रही है। करीब एक घंटे तक चले हाईवोल्टेज झ्रामे के बाद युवक सुरक्षित नीचे उतर आया। हालांकि नीचे उतरने से पहले युवक ने वहां मौजूद लोगों के सामने शर्त रखी कि कोई भी उसका वीडियो नहीं बनाएगा। जानकारी के मुताबिक ग्राम भेण्डरा निवासी याद राम साहू (30 वर्ष), शनिवार की दोपहर कड़ी धूप के बीच अचानक गांव के पास स्थित ट्रांसमिशन टावर पर चढ़ गया। देखते ही देखते युवक करीब 50 फीट की ऊंचाई तक पहुंच गया। युवक को इतनी ऊंचाई पर चढ़ा देख ग्रामीणों के होश उड़ गए। किसी बड़ी अनहोनी की आशंका को देखते हुए तत्काल इसकी सूचना भखारा थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और युवक को सुरक्षित नीचे उतारने की कोशिश शुरू की गई।

नपा अध्यक्ष ने कर्मचारियों को लगाई फटकार, दिए निर्देश

कोरबा। कटघोरा नगर पालिका अंतर्गत आने वाले रहमानिया नगर वार्ड में पिछले एक हफ्ते से पानी की क्लिष्ट ने विकराल रूप ले लिया है। वार्ड में पिछले 7 दिनों से पानी की सप्लाई पूरी तरह से ठप पड़ी हुई है, जिससे स्थानीय निवासियों को भीषण गर्मी के इस मौसम में बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। पानी के लिए मचे इस हाहाकार से परेशान और आक्रोशित वार्ड वासियों का सन्न आखिरकार आज टूट गया। पानी की समस्या से जूझ रहे वार्ड के दर्जनों नागरिक एकजुट होकर नगर पालिका कार्यालय पहुंचे। निवासियों ने पालिका प्रशासन के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को लिखित शिकायत सौंपी और जल्द से जल्द जलापूर्ति बहाल करने की मांग की। जैसे ही इस गंभीर समस्या की भनक नगर पालिका अध्यक्ष को लगी, वे तुरंत हरकत में आ गई। वार्ड वासियों की परेशानी को देखते हुए उन्होंने संबंधित विभाग के लापरवाह कर्मचारियों और अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। साथ ही 'त्व्रित' काम निपटाने के निर्देश भी दिए।

अंडर 18 एशिया कप हॉकी टीम में अवि मानिकपुरी का चयन

बिलासपुर। अवि मानिकपुरी ने टीम इंडिया के 18 सदस्यीय दल में अपनी जगह अपनी प्रतिभा के दम पर बनाई है। अवि मानिकपुरी बिलासपुर के कुदुदंड इलाके के रहने वाले हैं। अंडर 18 एशिया कप हॉकी टीम में उनका चयन बतौर डिफेंडर के तौर पर हुआ है। बिलासपुर के अवि पहले ऐसे खिलाड़ी हैं कि जिनका चयन अंडर 18 टीम इंडिया के लिए हुआ है। अवि टीम इंडिया की नीली जर्सी में जल्द भारत के लिए जापान में खेलते नजर आएंगे। अवि पहले महान हॉकी खिलाड़ी लेस्ली क्लाडियस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिलासपुर का नाम रोशन किया है। अवि के चाचा अमिताभ मानिकपुरी भी नेशनल मेडलिस्ट हैं। अमिताभ मानिकपुरी ने बताया कि अवि मानिकपुरी 2 भाई हैं। अवि को 3/4 साल के उम्र से ही हाकी खेलने के लिए भेजा गया। अवि के चाचा ने बताया कि हॉकी के जाने माने खिलाड़ी हरिशंकर ने उनको पहले हॉकी सिखाया फिर उनके भतीजे अवि मानिकपुरी को हॉकी सिखा रहे हैं। अमिताभ बताते हैं कि अवि ने अपने दम पर अपनी पहचान बनाई।

अवैध उत्खनन पर गौरेला पेंड्रा मरवाही खनिज विभाग सख्त

गौरेला पेंड्रा मरवाही। पेंड्रारोड गेवरा रोड रेल लाइन निर्माण के दौरान निकाले गए पत्थरों और बोल्टरों के अवैध उपयोग के मामले में अब जिला प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। रेलवे ठेकेदार द्वारा रेल लाइन निर्माण कार्य के दौरान भारी मात्रा में पत्थर एवं बोल्टर निजी जमीनों पर डंप कर दिए गए थे। इसके बाद निजी जमीन मालिक इन बोल्टरों को तोड़कर हैंड ब्रोकन गिट्टी बनाकर बेचने लगे। लगभग पिछले पांच साल से ये सिलसिला जारी रहा।

जानकारी के अनुसार हर रोज दो दर्जन से ज्यादा ट्रैक्टर ट्रॉली इन पत्थरों का परिवहन कर रही थीं। बिना वैध अनुमति और रॉयल्टी के हो रहे इस कारोबार से शासन को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ। अब खनिज विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला खनिज विभाग द्वारा रेलवे ठेका कंपनी को पत्र जारी कर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अब इन बोल्टरों एवं चट्टानों का परिवहन केवल कलेक्टर की अनुमति के आधार पर ही किया जाएगा।

रेलवे में 30 हजार पद खत्म करने का विरोध प्रदर्शन

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड 30 हजार पदों को सॉरेंडर किए जाने के निर्णय के विरोध में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ बिलासपुर मंडल ने गुरुवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। भारतीय रेलवे मजदूर संघ के आह्वान पर आयोजित आंदोलन में बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी और पदाधिकारी जोन ऑफिस के पास धरने में शामिल हुए। संघ के मुताबिक मई 2026 से 29 मई 2026 तक शाखा, मंडल एवं जोन स्तर पर काला पट्टी बांधकर विरोध पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस क्रम में बिलासपुर मंडल में सभा सहित प्रदर्शन का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में भारतीय रेलवे मजदूर संघ के राष्ट्रीय महामंत्री संतोष पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए मजदूर संघ ने रेलवे प्रशासन की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि लगातार पदों में कटौती से कर्मचारियों पर कार्यभार बढ़ता जा रहा है। इसका असर रेलवे की सुरक्षा, कार्यक्षमता और कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

बस्तर से 1200 आदिवासी डी-लिस्टिंग की मांग लेकर रवाना

जगदलपुर। देशभर में धर्मांतरित परिवारों की डी-लिस्टिंग की मांग अब तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के सातों जिलों से करीब 1200 आदिवासी ग्रामीण दिल्ली रवाना हुए हैं, जहां 24 मई को राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा जाएगा। सर्व आदिवासी समाज के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेनाम का दावा है कि देशभर से करीब 5 लाख आदिवासी इस आंदोलन में शामिल हो रहे हैं।

नेताम का कहना है कि धर्मांतरण के बाद भी कई परिवार रख और रख आरक्षण समेत सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, जबकि उन्हें मिशनरियों से



भी सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने बस्तर में धर्मांतरण को नक्सलवाद के बाद सबसे बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि इससे आदिवासी संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज खतरे में पड़ गए हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि गांव-गांव में प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है और अवैध रूप से चर्च

संचालित किए जा रहे हैं। इसी को रोकने के लिए धर्मांतरित परिवारों को आरक्षण लाभ से बाहर करने यानी डी-लिस्टिंग की मांग उठाई जा रही है। हालांकि स्वास्थ्य कारणों से अरविंद नेताम दिल्ली कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं, लेकिन उन्होंने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग की है।

कबाड़ी गोदाम में लगी भीषण आग, शो-रूम कराए गए खाली

रायगढ़। जिले के छतामुड़ा बाईपास रोड स्थित एक कबाड़ी गोदाम में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि जिस कबाड़ी गोदाम में आग लगी है, उसके ठीक बगल में हीरो मोटरसाइकिल का शोरूम है। आग लगातार फैलती देख प्रशासन ने एहतियातन आसपास के कई शोरूम और दुकानों को तुरंत खाली कराया।

मौके पर मौजूद लोग अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश करते रहे, लेकिन आग की भयावहता के सामने शुरुआती प्रयास नाकाफी साबित हुए। घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम प्रशासन की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।



हालांकि आग तेजी से फैलने के कारण निगम की फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी कम पड़ गईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए NTPC Lara ¥6UU Jindal Steel & Power से अतिरिक्त फायर ब्रिगेड टीमों को बुलाया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी भयानक है कि पूरे इलाके में धुआं ही

धुआं दिखाई दे रहा है। प्रशासन लगातार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजने में जुटा हुआ है। फिलहाल आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है और किसी बड़े नुकसान की आशंका को देखते हुए पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। आग लगने के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। प्रशासन और दमकल विभाग की

टीमें मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। रायगढ़-रायपुर मार्ग के इस नेशनल हाईवे पर स्थित कबाड़ी गोदाम में लगी आग से भारी अफरा-तफरी मच गई है। भीड़ जुटने से सड़क जाम हो गया है। आग बुझाने की मशकत के लिए सड़क पर पुलिस बल लगाया गया है और आसपास के लोगों को भी वहां से दूर करने के लिए टीम लगी हुई है। बढ़ती आग बुझाने की तमाम कोशिश असफल साबित हो रही है। कबाड़ी गोदाम में लगी आग लगातार फैलने से बगल में स्थित हीरो होंडा शो रूम तक आग पहुंचने पर शो रूम के अंदर रखी नई बाइकों को हटाया जा रहा है। आग बुझाने में लगी टीम जल्दी इस शो रूम को खाली करने के लिए अलग से सहायता मांग रही है। अब तक कई लाखों का कबाड़ और सामान बुरी तरह जल चुके हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 हेतु 31 जुलाई तक नामांकन आमंत्रित

रायपुर। बच्चों की असाधारण प्रतिभा और उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रतिवर्ष भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उकृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष नामांकन प्रक्रिया 31 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी। 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसी श्रेणियों में उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता दी जाएगी। विभाग ने बताया कि इच्छुक बच्चे, अभिभावक, संस्थाएं अथवा अन्य व्यक्ति योग्य बच्चों का नामांकन कर सकते हैं। स्व-नामांकन की सुविधा भी उपलब्ध है। सभी आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन एवं विस्तृत जानकारी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल <https://awards.gov.in/> पर विजिट किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से बेटीयों के भविष्य को मिला नया आधार

रायपुर। राज्य शासन एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के साथ-साथ परिवारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सुशासन तिहार के अंतर्गत बलौदबाजार के करही बाजार में आयोजित समाधान शिविर में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने योजना की हितग्राही महिलाओं से संवाद कर उनके अनुभव सुने। हितग्राही श्रीमती अन्नपूर्णा यादव ने बताया कि उनके पति श्री गंगा प्रसाद मजदूरी कार्य करते हैं और परिवार की आय सीमित है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्राप्त 5000 रुपये की राशि को उन्होंने अपनी बालिका के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से सुकन्या योजना में जमा किया है। उन्होंने बताया कि उनकी दो बेटीयां हैं और वे चाहती हैं कि भविष्य में उनकी शिक्षा एवं जरूरतों में किसी प्रकार की कठिनाई न आए। इसी प्रकार हितग्राही श्रीमती रेवती निषाद ने भी बताया कि उन्हें योजना के अंतर्गत 5000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। उनके पति श्री पोषण निषाद मजदूरी का कार्य करते हैं। रेवती निषाद ने कहा कि उन्होंने भी अपनी दो बेटीयों के उज्ज्वल भविष्य के लिए यह राशि सुकन्या योजना में जमा की है। दोनों महिलाओं ने कहा कि पहले आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता बनी रहती थी, लेकिन अब शासन की योजनाओं से उन्हें भरोसा और सहारा मिला है। योजना से प्राप्त सहायता ने बेटीयों की शिक्षा और भविष्य की सुरक्षा के प्रति उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है।

आगर नदी पर मध्यम जलाशय परियोजना के लिए होगा सर्वे

रायपुर। रायपुर छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा कबीरधाम जिले के पंडरिया की आगर नदी में आगर मध्यम जलाशय परियोजना के लिए सर्वेक्षण कार्य हेतु 3 करोड़ 40 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। सर्वे कराने मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकिय स्वीकृति दी गई है।

पीएम सूर्यघर योजना से रोशन होंगे बैगा आवास

रायपुर। राज्य शासन की मंशा है कि विशेष



पिछड़ी जनजातियों का उत्थान सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाए। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम जनमन योजना लागू की गई है, ताकि विशेष पिछड़ी जनजातियों का सर्वांगीण विकास हो और उनके जीवन में बुनियादी सुविधाओं की स्थायी पहुंच बन सके। शासन का सतत प्रयास है कि जनजातीय अंचलों में पानी, बिजली, सड़क, राशन, पेंशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी कड़ी में अब बैगा परिवारों के आवास सौर ऊर्जा से रोशन होने जा रहे हैं। बिलासपुर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित बैगा आवासों को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित किया जाए। इसके तहत बैगा परिवारों के घरों में सौर ऊर्जा आधारित बिजली सुविधा उपलब्ध होगी तथा हितग्राही अंश की राशि जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफ मद से वहन की जाएगी। उन्होंने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि जीवन स्तर में वास्तविक बदलाव लाना है। बैठक में जिला प्रशासन सईओ श्री सदीप अग्रवाल सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त लगभग साढ़े 9 हजार आवेदनों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष जोर दिया।

राजधानी/छत्तीसगढ़

मिशन 2028 की रणनीति के आधार को मजबूत करने में जुटी भाजपा

■ बस्तर विकास, युवा और महतारी, नई राजनीति नई तैयारी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ में मिशन 2028 की तैयारी में जुट गई है। युवा शक्ति, नारी सम्मान और बस्तर का विकास 2028 के लिए छत्तीसगढ़ में भाजपा के मिशन के मूल मंत्र होंगे। इसके लिए इंतजार को खत्म कर काम करने की शुरुआत कर दी गई है। बीजेपी जिस रणनीति पर काम कर रही है, उसमें एक बात तो साफ है कि 2028 के लिए अभी से संगठन को मजबूत करने की तैयारी में काम शुरू हो गया है। इसी के तहत 20 मई को सरगुजा अंचल और बस्तर अंचल में भाजपा के तमाम नेताओं पदाधिकारी का प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। जिसमें सरकार के कामकाज, गांव तक पहुंची विकास योजनाएं, गांव की जरूरतें। सरकार और संगठन के बीच समन्वय। इस मुद्दे को जनता के बीच किस तरीके से रखना है, इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है।

भाजपा का यह मिशन 2028 के जमीनी तैयारी का आगाज है। हालांकि छत्तीसगढ़ दौरे पर रहे अमित शाह ने जिस तरह का मंत्र मंच से दिया है भाजपा ने उसे 2028 के फतह का बीजमंत्र मानकार काम चालू कर दिया है। वर्तमान समय में भारतीय जनता पार्टी जिस तरीके से स्थित है उसमें छत्तीसगढ़

महफूज तो है लेकिन छत्तीसगढ़ के बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। इसकी वजह भी बड़ी साफ है। 2014 में मोदी का लहर की चली आंधी में भारतीय जनता पार्टी के सेहत पर कोई असर नहीं डाल पाई। लेकिन 2019 में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़े जन आधार होने और मोदी सरकार के काम करने के बाद भी छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी हार गई। हालांकि 2023 में भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर सरकार में आई और आते ही 2028 की चुनावी रणनीति पर काम शुरू कर दिया। लेकिन इसमें एक बात तो साफ है कि छत्तीसगढ़ के लिए चुनौतियां छोटी नहीं हैं। लेकिन उन चुनौतियों को छोटी करने के लिए वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और छत्तीसगढ़ के प्रभारी नितिन नबीन और उनकी टीम तेजी से कम कर रही है।

2028 के लिए तैयारी में जुटी भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनौतियां बड़ी हैं। विपक्ष युवा, महिला और रोजगार को लेकर सरकार को घेरने में जुटा है। कानून व्यवस्था भी यहां एक बड़ा मुद्दा है। लेकिन इन सबके बावजूद भारतीय जनता पार्टी बस्तर से नक्सलवाद को खत्म करके वहां अपनी मजबूत राजनीतिक दखल को स्थापित करने में जुटी है। भाजपा के विरोध में जिस तरह के मुद्दे विपक्ष तैयार कर रहा है, उसी को 2028 की राजनीतिक रणनीति का आधार



बनाकर विरोधियों को पटकने की तैयारी में भाजपा जुटी है। छत्तसीगढ़ के साथ भाजपा अपने पड़ोस में भी मजबूत हुई है। विपक्ष के रणनीतिक किलाबंदी और मुद्दों के घेराबंदी को जिस तरह से तोड़कर छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्यों ने भगवा किलेबंदी की गई है वह भाजपा के पक्ष में जाता है लेकिन मुद्दे की राजनीति में घिरने के बजाय निकलने की राजनीति सरकार को मजबूती से करनी होगी।

छत्तीसगढ़ की राजनीति में सत्ता पक्ष और विपक्ष मुद्दे की राजनीति में राज्य की बात तो करते हैं लेकिन भाजपा को योजना को विपक्ष अपने हथियार के तौर पर उपयोग में लाते हैं। छत्तसीगढ़ कांग्रेस लगातार यह आरोप लगाती है कि छत्तीसगढ़ की सरकार दिल्ली से चलती है और यहां के नेता बस नाम के हैं। दिल्ली दरबार से जो निर्देश आता है उसे ही यहां पर किया जाता है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह आरोप लगाया था कि महतारी वंदन की जिस योजना को लेकर

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने केंद्र सरकार को घेरा

■ कल- जरूरत की चीजें हो रही महंगी

रायपुर। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिनों में यह तीसरी बार है जब ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जिसकी वजह से जरूरी चीजें महंगी हो रही हैं। आने वाले समय में कीमतें और बढ़ेंगी। किसान और आम जनता पेट्रोल पंपों पर लाइन लगाकर खड़े हैं। महंगाई चरम पर है। हर जरूरत की चीज महंगी हो रही है, लेकिन भाजपा मेलोडी के नाम पर राजनीति कर रही है। इसके अलावा उन्होंने अवैध शराब बिक्री और खाद संकट समेत अन्य मुद्दों पर भी अपना बयान दिया है।

प्रदेश में अवैध शराब बिक्री को लेकर पीसीसी चीफ बैज ने कहा कि प्रदेश में अवैध शराब बिक रही है। सुशासन तिहार में इसका असर दिख रहा है। मंत्री दयालदास बघेल ने भी आवाज उठाई थी। बृजमोहन अग्रवाल भी कह रहे हैं कि अवैध शराब की बिक्री कहां हो रही है, उन्हें पता है। भाजपा शासन में नकली होलोग्राम वाली शराब बिक रही है। नकली और अवैध शराब की बिक्री से काली कमाई हो रही है। यह पैसा किसकी जेब में जा रहा है।

खाद संकट को लेकर पीसीसी चीफ बैज ने कहा कि सरकार खाद को लेकर गंभीर नहीं है। सोसायटियों में पर्याप्त खाद का स्टॉक नहीं है। डीजल नहीं मिलने से किसान पहले ही परेशान हैं। अब खाद की व्यवस्था भी नहीं है। सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। किसान लाइन लगाने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार श्वेत पत्र जारी करे और खाद की



पूरी जानकारी दे।

बृजमोहन अग्रवाल के अवैध शराब की बिक्री को लेकर अधिकारियों को लगाई गई फटकार पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि बृजमोहन अग्रवाल सही कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्पष्ट है कि भाजपा के मंत्री और

सांसद जिम्मेदार पद पर रहकर ऐसे बयान दे रहे हैं। अवैध शराब की काली कमाई किसकी जेब में जा रही है? अवैध शराब क्यों बेची जा रही है? क्या ईंडी और सीबीआई इसकी जांच करेगी? नकली शराब की बिक्री हो रही है, यह क्लियर हो चुका है।

खुशवंत साहेब के पिटाई वाले बयान पर दीपक बैज ने कहा कि खुशवंत साहेब नए भाजपाई हैं और नए-नए मंत्री बने हैं। नया मुल्ला ज्यादा प्याज खाता है। उन्हें पेट्रोल पंप पर जाकर आम जनता से चर्चा करनी चाहिए, तब उन्हें बीजेपी की स्थिति पता चलेगी। बीजेपी के प्रशिक्षण शिविर को लेकर पीसीसी चीफ ने कहा कि यह प्रशिक्षण शिविर नहीं है, यह छत्तीसगढ़ को लूटने और भ्रष्टाचार करने का शिविर है। आम जनता त्रस्त हो चुकी है। उद्योगपतियों के हाथ छत्तीसगढ़ को बेचा जा रहा है। भाजपा नेता किस मुंह से जनता के पास जाएंगे? उन्हें पेट्रोल पंप के सामने खड़ा करना चाहिए।खुशवंत साहेब के दिए गए बयान 'कांग्रेस नेता पढ़े-लिखे होते तो जनते कि युद्ध की वजह से पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़े हैं' पर दीपक बैज ने कहा कि पीएम मोदी भारत को विश्वगुरु बताते हैं, तो अमेरिका और चीन जैसे विकसित देशों से तुलना करनी चाहिए, गरीब देशों से तुलना नहीं करनी चाहिए।

पक्के आशियाने का सपना हुआ पूरा, चौति बाई को मिली पीएम आवास की सौगात

रायपुर। खैरागढ़ जिले के छुईखदान विकासखंड के ग्राम खैरानवापारा में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में 80 वर्षीय हितग्राही चौति बाई के चेहरे पर उस समय खुशी झलक उठी, जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नए आवास की सांकेतिक चाबी प्रदान की गई। वर्षों से कच्चे मकान में जीवन यापन कर रही चौति बाई अब अपने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन बिता सकेंगी।

चौति बाई ने बताया कि बरसात के दिनों में उनका पुराना



मकान काफी जर्जर हो जाता था, जिससे उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे स्वयं पक्का मकान बनवाने में सक्षम नहीं थीं। शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर आई। योजना के तहत स्वीकृति

मिलने के बाद उनका नया आवास तैयार हुआ।

सुशासन तिहार शिविर में अधिकारियों द्वारा उन्हें आवास की चाबी सौंपते हुए शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अपने नए घर की चाबी पाकर चौति बाई भावुक हो उठीं और उन्होंने शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

ग्रामवासियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अब वास्तविक जरूरतमंद लोगों तक पहुंच रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बच्चों को कराया अन्नप्राशन

गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कार्यक्रम में दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बलौदबाजार जिले के करहीबाजार में आयोजित सुशासन तिहार समाधान शिविर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर बच्चों एवं महिलाओं से आत्मीय मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में आयोजित अन्नप्राशन कार्यक्रम में नन्हें बच्चों को अपने हाथों से अन्नप्राशन कराया। इस अवसर पर शेवंशी चक्रधारी, राधा यादव, हिमांशी निषाद, कान्हा सेन एवं अहान बंजारे शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेह एवं आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



मुख्यमंत्री ने स्वस्थ बच्चों से भी मुलाकात की। इनमें रुपेश पटेल, चंचल पटेल, प्रीसू चक्रधारी, हार्दिक बंजारे एवं लोककाव्या खांडे शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी लेते हुए

रहे थे अब उससे उन्हें निजात मिली है, जो राजनीति के एक हिस्से के लिए तो है लेकिन जाति की राजनीति और क्षेत्रीय राजनीति की दखल का असर कैसे कम हो इस योजना पर भाजपा ने काम करना शुरू कर दिया है।

18 और 19 मई को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे में बस्तर विकास को लेकर जो योजनाएं रखी गई हैं, उससे एक बात तो साफ है कि 2028 की तैयारी में जुटी भारतीय जनता पार्टी की नैय्या पार लगाने में बस्तर मॉडल बहुत कारगर होगा। बस्तर के विकास का मॉडल, नक्सली समाप्ति की योजना वाली पूरी बात और बस्तर में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और सरकार के काम का विश्वास बहुत मायने रखता है। क्योंकि यह ऐसे मुद्दे हैं जो 2028 में बहुत मजबूती से खड़े होंगे और यहां की खामियां विपक्ष के लिए वह हथियार, जो भारतीय जनता पार्टी के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

बस्तर का विकास एक बहुत बड़ी चुनौती है। अमित शाह ने उसके लिए एक पंच वर्षीय योजना का प्रारूप रख दिया है। बस्तर को बदलने की तैयारी की योजना भी है और जिस तरह से भाजपा चुनाव में परिणाम दे रही है उससे एक मजबूत हौसला भी बना है। हालांकि विपक्ष भी इसी तैयारी की ताक को निहार रहा है कि भाजपा कहां चूकती है, जहां से विकास के दावों के विरोध का मुद्दा बनाया जाय ।

सिंहदेव और बैज की लड़ाई पर मंत्री खुशवंत साहेब का तंज, कहा-

इनके पास न विचारधारा, न कोई सोच, केवल जेब भरने के लिए आना चाहते हैं सरकार में

रायपुर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को लेकर टीएस सिंहदेव और दीपक बैज में ठन गई है। इस पर दोनों के बीच चल रही बयानबाजी पर खुशवंत साहेब ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस में कई गुट हैं। टीएस सिंहदेव गुट, दीपक बैज गुट, भूपेश गुट ना जाने और इनके कितने गुट सामने आएंगे कांग्रेस में। लगातार गुटबाजी चल रही है। जब चुनाव होता है, तब कांग्रेस में कुर्सी तोड़ कार्यक्रम चलता है। ये सिर्फ भ्रष्टाचार जानते हैं।

खुशवंत साहेब ने कहा कि कांग्रेस हमेशा परिवारवाद की पार्टी रही है। ये अपने परिवार को ही नहीं संभाल पा रहे और देश संभालने की बात करते हैं। भारत जोड़ने की बात करते हैं, पहले अपनी पार्टी को तो जोड़ लें। आपस में युद्ध कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि इनके पास कोई विचारधारा, कोई सोच नहीं है। जेब भरने और भ्रष्टाचार करने के लिए सरकार में आना चाहते हैं।

सीएम के दिल्ली दौरे पर मंत्री खुशवंत साहेब ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दिल्ली विकास और उन्नति के लिए जाते हैं। पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करते हैं। छत्तीसगढ़ के लिए सौगात लेकर आते हैं। कांग्रेस पहले खुद को संभाल ले। केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने पर बीजेपी के घर-घर संपर्क अभियान चलाए जाने पर मंत्री खुशवंत साहेब ने कहा कि हमारा तो सुशासन तिहार चारों तरफ चल रहा है। जन चौपाल लगाकर सीधे



जनता से बात कर रहे हैं। जनता खुश है। वहीं कांग्रेस के पिटाई वाले बयान पर उन्होंने कहा कि जनता उन्हें पहले ही पिट चुकी है। 2023 और 2024 के चुनाव में भी पिट चुके हैं। आने वाले 2028 के चुनाव में भी जनता इन्हें कूटेगी-पिटेगी। इनके कार्यकर्ता और नेता ही एक-दूसरे को पिट रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि पर खुशवंत साहेब ने कहा कि दूसरे देशों से तुलना करें, वहां की कीमतें कैसे बढ़ रही हैं, और भारत में कीमत कितनी बढ़ रही हैं। पीएम मोदी चाहते हैं कि जनता को ज्यादा दिक्कत न हो, इसलिए ज्यादा दाम नहीं बढ़ रहे। कांग्रेस को समझना चाहिए कि युद्ध की स्थिति के कारण समस्याएं आ रही हैं। पढ़े-लिखे हैं, तो समझना चाहिए। भाजपा प्रशिक्षण शिविर को लेकर कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि भाजपा एक विचारधारा पर चलने वाली पार्टी है, अनेकों प्रकार के संगठनात्मक कार्य चलते रहते हैं। आज जिला प्रशिक्षण शिविर चल रहा है। प्रत्येक जिले में प्रशिक्षण शिविर लहा रहा।

<

पंजाब में आप ने राज्यसभा सीटों का सौदा किया?

नीरज कुमार दुबे

पंजाब की राजनीति में इन दिनों आम आदमी पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कभी खुद को शुचिता, पारदर्शिता और सिद्धांतों की राजनीति का प्रतीक बताने वाली आम आदमी पार्टी अब उन्हीं आरोपों के घेरे में दिखाई दे रही है, जिनके खिलाफ उसने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। ताजा विवाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह के बयानों के बाद और गहरा गया है। हाल ही में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हरभजन सिंह ने आम आदमी पार्टी पर पंजाब की राज्यसभा सीट बेचने और रिश्तत लेने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके इन आरोपों ने पंजाब की राजनीति में नया तूफान खड़ा कर दिया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति ने हरभजन सिंह से सवाल किया था कि जब उन्हें आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा भेजा था तो उन्होंने इस्तीफा क्यों नहीं दिया और भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की क्या मजबूरी थी? उस व्यक्ति ने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी कथित तौर पर गहरोरों को पच्चीस पच्चीस करोड़ रुपये दे रही है। इस पर हरभजन सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व पर ही गंभीर सवाल उठा दिए। इससे पहले भी हरभजन सिंह ने अप्रत्यक्ष रूप से अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा था कि काश आपके नेता को पंजाब से एक प्रतिशत भी प्रेम होता। उनके इस बयान को पंजाब की जनता और राजनीतिक दलों ने काफी गंभीरता से लिया था। अब नए आरोपों के बाद विपक्षी दलों को आम आदमी पार्टी पर हमला करने का नया अवसर मिल गया है। कांग्रेस ने हरभजन सिंह के आरोपों को हाथों हाथ लिया है। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि हरभजन सिंह के बयान ने एक बदसूरत सच को उजागर कर दिया है और पंजाब की जनता अरविंद केजरीवाल तथा भगवंत मान से जवाब मांग रही है। कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा ने भी केजरीवाल और मुख्यमंत्री भागवंत मान को चुनौती देते हुए कहा कि वे हरभजन सिंह के आरोपों का जवाब दें। वहीं कांग्रेस विधायक परगट सिंह ने आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी दोनों से सफाई मांगी है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पंजाब के लोग पहले से ही यह मानते रहे हैं कि राज्यसभा सीटों का सौदा हुआ था। देखा जाये तो हरभजन सिंह के आरोप केवल राजनीतिक बयानबाजी भर नहीं माने जा रहे, क्योंकि वह खुद उसी व्यवस्था का हिस्सा रहे हैं। ऐसे में उनके बयान को विपक्ष आम आदमी पार्टी के भीतर की सच्चाई के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। हालांकि आम आदमी पार्टी की ओर से अभी तक इन आरोपों पर कोई ठोस और विस्तृत जवाब सामने नहीं आया है। देखा जाये तो आम आदमी पार्टी ने अपने पूरे राजनीतिक अभियान को भ्रष्टाचार विरोधी छवि और ईमानदार राजनीति के आधार पर खड़ा किया था। ऐसे में यदि उसी पार्टी पर राज्यसभा सीट बेचने, रिश्तत लेने और सत्ता का दुरुपयोग करने जैसे आरोप लगते हैं, तो उसकी नैतिक विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होंगे ही। बहरहाल, फिलहाल पंजाब की राजनीति में यह मुद्दा गर्माया हुआ है। विपक्ष लगातार जवाब मांग रहा है, जबकि आम आदमी पार्टी बचाव की मुद्रा में दिखाई दे रही है। आने वाले दिनों में यदि हरभजन सिंह अपने दावों के समर्थन में कोई प्रमाण या और खुलासे सामने लाते हैं, तो यह विवाद और गहरा सकता है। साथ ही यह मामला आम आदमी पार्टी की उस छवि की भी अग्निपरीक्षा बन सकता है, जिसे उसने वर्षों की मेहनत से तैयार किया था।

पुराण दिग्दर्शन

सन्देहाभासनिकारणाध्यायः (नौवां अध्याय)

(गतांक से आगे...)

अब अमैथुनी का भी रहस्य सुनिये। जिसप्रकार मैथुनी सृष्टि का मूल कारण विशुद्ध रजः और वीर्य्य का गर्भाशय में विमिश्रित हो जाना है, इसीप्रकार अमैथुनी सृष्टि का मूलकारण– सत्य–सङ्कल्प मनुष्य की आत्मशक्ति को किसी एक अङ्ग में केन्द्रीभून करना मात्र है। सो सत्य–संकल्प मनुष्य का ग्रात्सर्पाकि जिस भी अङ्ग में केन्द्रीभूत हो जाएगी उसके उसी अङ्ग से इच्छित सन्तान की प्राप्ति हो जाएगी। शास्त्र कहता है कि –

यं कामं कामयते सोऽस्य संकल्पादेव समुत्तिष्ठति। (छान्दोग्य ८ ।2।10)

अर्थात्– [सत्यसंकल्प मनुष्य] जिस काम को चाहता है वह काम उसे संकल्पमात्र से ही प्राप्त हो जाता है।

सृष्टि के आरम्भ में उत्पन्न होने वाले हमारे शतशः पूर्वज संकल्प–मात्र से ही उत्पन्न हुवे थे यह बात हिन्दू

इतिहास के पढ़ने से भली प्रकार विदित हो जाती है। मुसलमान और ईसाई मत में भी अमैथुनी सृष्टि का होना स्वीकार किया गया है तदनुसार आवम की बाँई पसली से हव्वा का पैदा होना एवं बकौल बाईबल स्वयं ईसामसीह का पुरुष संयोग के बिना ही क्यारी मरियम के गर्भ में आजाना अमैथुनी सृष्टि के अस्तित्व की ही सूचना देते हैं। अतः वे लोग इश्वाकु की उत्पत्ति पर कुछ आक्षेप नहीं कर सकते।

आर्यसमाज के स्वयम्भू आचार्य प्रो0 रामदेव ने अपने पुराणमत पर्यालोचन ग्रंथ के 25वं पृष्ठ पर उपर्युक्त आख्याना का व्यर्थ उपहास उड़ाते हुवे फरमाया है कि– खूब गप्प गद्दी, क्या कहीं थूकते छींकते भी पुत्र हुवे हैं। हमें प्रोफेसर साहिब को पर्वतायमान अक्ल पर तरस आता है कि आपको विष्णुपुराण के इस पद्य में तो गप्प पन की व्यर्थ बू आ गई।

क्रमशः ...



ज्ञान/मीमांसा

वैश्विक मंच पर भारत की उपहारों की कूटनीति

विनोद कुमार सिंह

भारत केकेवल एक राष्ट्र नहीं,बल्कि हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति, सभ्यता,दर्शन और मानवीय मूल्यों की जीवंत धारा है।य्हाँ राजनीति केकेवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं रही,बल्कि समाज,संस्कृति और विश्व बंधुत्व की सम्पूर्ण चेतना से भी जुड़ी रही है।भारतीय परंपरा ने सदैव दुनिया को यह संदेश दिया कि संबंध शक्ति से नहीं,संवेदना से स्थायी बनते हैं।हमारी संस्कृति में अतिथि का स्वागत केकेवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्मीयता और सम्मान का प्रतीक माना गया है। वर्तमान दौर मे जब वैश्विक राजनीति लगातार बदल रही है, दुनिया आर्थिक प्रतिस्पर्धा, युद्ध, सामरिक तनाव और वैचारिक संघर्षों के दौर से गुजर रही है,तब भारत वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना के साथ वैश्व मंच पर एक संतुलित और मानवीय शक्ति के रूप में उभर रहा है। विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया पाँच देशों–संयुक्त अरब अमीरात,नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली–की यात्रा इसी बदलते भारत की नई तस्वीर बनकर सामने आई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा केकेवल राजनीतिक बैठकों, व्यापारिक समझौतों या रणनीतिक साझेदारियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि भारतीय संस्कृति, लोक जीवन, कला, कृषि और सभ्यतागत मूल्यों की सुगंध को भी दुनिया तक पहुँचाने का माध्यम बनी। मोदी ने इस पूरे दौरे के दौरान विदेशी नेताओं को जो संप्रेम भारतीय उपहार भेंट किए, वे केकेवल स्मृति– चिन्ह नहीं थे,बल्कि भारत की आत्मा,उसकी विविधता और उसकी सांस्कृतिक चेतना के जीवंत प्रतीक थे। भारतीय कूटनीति का इतिहास सदैव सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ा रहा है।

मोदी ने इस सांस्कृतिक कूटनीति को एक नई दिशा दी है। उन्होंने यह समझा कि दुनिया केकेवल आर्थिक शक्ति से प्रभावित नहीं होती,बल्कि सांस्कृतिक पहचान और मानवीय जुड़ाव भी देशों के बीच स्थायी संबंध बनाते हैं।यही वजह है कि उनकी विदेश यात्राओं में भारतीय विरासत,परंपरा और सांस्कृतिक प्रतीकों की विशेष भूमिका दिखाई देती है।इस पाँच देशों की यात्रा में सबसे अधिक चर्चा उन उपहारों की हुई, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी अपने विदेशी मेहमानों और नेताओं के लिए स्वयं भारत से लेकर गए।सर्वविदित रहे कि इन उपहारों में भारत की पवित्र मिट्टी की खुशबू थी, अन्नदाता किसानों की मेहनत थी, बुनकरों की



कला थी, लोक कलाकारों की कल्पना थी और भारतीय समाज की आत्मीयता थी।

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति को मोदी ने गुजरात का प्रसिद्ध केसर आम और मेघालय का अनानास भेंट किया। सर्वविदित है कि भारतीय परंपरा में फल केकेवल स्वाद या उपभोग की वस्तु नहीं माने जाते,बल्कि समृद्धि,प्रेम और शुभकामनाओं के प्रतीक होते हैं। फलों का राजा आम का भारतीय साहित्य और लोक संस्कृति में विशेष स्थान रखता है।संस्कृत साहित्य से लेकर हिंदी कविता तक आम को ऋतु,प्रेम और मधुरता का प्रतीक माना गया है। भारतीय गाँवों में आम का पेड़ केकेवल फल देने वाला वृक्ष नहीं,बल्कि सामाजिक जीवन और पारिवारिक संस्कृति का हिस्सा होता है।

नीदरलैंड की महारानी को भारतीय लोककला से सुसज्जित हस्तनिर्मित उपहार भेंट किए गए।भारतीय लोककलाएँ केकेवल रंगों और आकृतियों का संसार नहीं होतीं, बल्कि वे समाज की स्मृतियों, परंपराओं और सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति होती हैं। बिहार की मधुबनी, कलमकारी, पट्टचित्र, वारली और मिथिला जैसी लोककलाएँ भारतीय समाज की आत्मा को दर्शाती हैं। इनमें गाँवों का जीवन, प्रकृति से जुड़ाव, स्त्री संवेदना और लोक संस्कृति की सहजता दिखाई देती है। जब ऐसी कलाएँ विश्व नेताओं तक पहुँचती हैं, तो वे केकेवल सजावटी वस्तुएँ नहीं रहतीं,बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान का दर्पण बन जाती हैं। यह भारत की सॉफ्ट पावर का प्रभावी उदाहरण है। दुनिया के कई विकसित देशों ने अपनी सांस्कृतिक शक्ति को वैश्विक प्रभाव का माध्यम बनाया है। स्वीडन के प्रधानमंत्री को मणिपुर की प्रसिद्ध लोकटक चाय भेंट की गई। यह केकेवल चाय नहीं,बल्कि पूर्वोत्तर भारत की प्रकृति, श्रम और सांस्कृतिक जीवन का प्रतीक है। लोकटक झील मणिपुर की पहचान मानी जाती है और उसके आसपास की संस्कृति भारत की जैव विविधता और पारंपरिक जीवन शैली का अद्भुत उदाहरण है।भारतीय कूटनीति की

सूर्योपासना से राजा का इलाज



मैं अपने राज्य का परित्याग करना चाहता हूँ। यह सुनकर मंत्रियों ने कहा, महाराज ! यदि आप ही राज्य का परित्याग कर देंगे, तो प्रजा का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। इसलिए आपको ऐसा विचार नहीं करना चाहिए। प्रभो! इस रोग को दूर करने का एक उपाय है।

राजा के पृष्ठने पर मंत्रियों ने कहा, राजन ! आप भगवान सूर्य की आराधना कीजिए। वही इस भयंकर रोग से आपको मुक्त कर सकते हैं। आप अपने राज्य में ही

रहकर श्रद्धा और नियमपूर्वक सूर्यदेव की उपासना करें। इससे आप पाप से मुक्त हो जाएंगे।

उसी दिन से राजा ने सूर्यदेव की भक्ति आरंभ कर दी। वह प्रतिदिन विधिपूर्वक सूर्य की पूजा करते थे। मंत्रपाठ, नैवेद्य, फल, अर्घ्य, अक्षत, जपापुष्प, मदार के पत्ते, लाल चंदन, कुमकुम, सिंदूर, केले के पत्ते और फलों से वह सूर्यदेव को प्रसन्न करते रहे। गूलर के पात्र में अर्घ्य भरकर वह प्रतिदिन श्रद्धापूर्वक सूर्य को अर्पित करते थे। अर्घ्य देते समय राजा, स्वयं मंत्रियों और पुरोहितों के साथ सूर्य के सममुख खड़े रहते थे। उनके साथ आचार्य, रानियां, अन्तःपुर के रक्षक, उनकी पत्नियां, दास–दासियां और नगर के अन्य लोग भी उपस्थित रहते थे। सभी लोग एक साथ अर्घ्य अर्पण करते और सूर्यदेव का स्मरण करते। सूर्यदेव से संबद्ध जितने भी व्रत

और नियम थे, राजा ने उन्हें पूरी एकाग्रता और श्रद्धा से संपन्न किया।

इस प्रकार निरंतर एक वर्ष तक उपासना करने पर राजा का कुछ रोग पूर्ण रूप से नष्ट हो गया। उनका हाथ पहले की भांति सुंदर हो गया। रोग से मुक्त होने के बाद राजा ने निश्चय किया कि संपूर्ण राज्य में प्रभातकाल सूर्यदेव की पूजा और व्रत का प्रचार किया जाए। उन्होंने अपने राज्य के सभी लोगों को सूर्योपासना के लिए प्रेरित किया। लोग कभी हविष्यान्न खाकर और कभी निराहार रहकर सूर्यदेव की पूजा करने लगे। इस प्रकार जब संपूर्ण प्रजा द्वारा भगवान सूर्य की पूजा होने लगी, तो सूर्यदेव अत्यंत प्रसन्न हुए। वह राजा भद्रेश्वर के समक्ष प्रकट होकर बोले, राजन ! तुम्हारे मन में जो इच्छा हो, उसे वरदान के रूप में मांग लो। मैं तुम्हारे तथा तुम्हारी प्रजा के कल्याण के लिए उपस्थित हुआ हूँ।

आज का इतिहास

- 1883 न्युयॉर्क शहर ने ब्रुकलिन ब्रिज (चित्र) खोला – उस समय दुनिया का सबसे लंबा सस्पेंशन ब्रिज।
- 1903 पेरिस में ऑटोमोबाइल के लिए मैड्रिड दौड़ शुरू हुई, जिसमें आठ लोग मारे गए।
- 1913 प्रशिया की राजकुमारी विक्टोरिया लुईस ने हनोवर के राजकुमार अर्नेस्ट ऑगस्ट्स से शादी की, जो पहले विश्व युद्ध के चौदह महीने बाद यूरोपीय राजघराने की अंतिम महान सामाजिक घटनाओं में से एक था।
- 1915 थॉमस अल्वा एडिशन ने टेलेस्क्राइब का अविष्कार किया।
- 1921 उत्तरी आयरलैंड के नए संसद के लिए प्रथम आम चुनाव का आयोजन किया गया।
- 1922 रुसी और इटली ने व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 1930 इंग्लिश एविएटिक्स एमी जॉनसन, डार्विन, नॉर्दन टेरिटर में उतरीं, जो इंग्लैंड से ऑस्ट्रेलिया की सफलतापूर्वक उड़ान भरने वाली पहली महिला बनीं।
- 1955 पेरिस में स्ट्रेड रोलैंड-गैरोस में फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट खोला गया।
- 1956 यूरोविजन सॉन्ग कॉन्टेस्ट का पहला संस्करण स्विटजरलैंड के लतुलानो में आयोजित किया गया।
- 1959 ब्रिटिश साम्राज्य दिवस को राष्ट्रमंडल दिवस का नाम दिया गया।
- 1960 चित्ती में एंडीज में कॉर्डन क्यूल, विस्फोट शुरू हुआ, वाल्डिविया भूकंप के कुछ ही दिनों बाद इस क्षेत्र में विस्फोट हुआ।
- 1963 संयुक्त राज्य अमेरिका के अर्टोर्नी जनरल रॉबर्ट एफ। कैनेडी ने अमेरिका की मूल के लेखक जेम्स बाल्डविन के साथ नस्ल संबंधों को विफल करने के असफल प्रयास के साथ मुलाकात की।
- 1970 रूस में कोला प्रायद्वीप पर, कोला सुपरदीप बोरोहोल पर ड्रिलिंग शुरू हुई, अंततः 12,262 मीटर (40,230 फीट) तक पहुंच गई, जिससे यह अब तक का सबसे गहरा छेद बन गया और पृथ्वी का सबसे गहरा कृत्रिम पॉइंटन है।
- 1976 पेरिस में एक शराब प्रतियोगिता में, फ्रांसीसी न्यायाधीशों ने शराब उद्योग को झटका दिया, जो कि कैलिफोर्निया वाइन की तुलना में फ्रेंच वाइन से अधिक था।
- 1981 टेक्सास के कॉर्पस क्रिस्टी शहर में एक अनाज की लिफ्ट में विस्फोट होने से 9 लोग मारे गए और 30 घायल हुए।
- 1986 मारिेट थैयर इजरायल का दौरा करने वाली ब्रिटेन की पहली प्रधानमंत्री बनी।
- 1991 इजरायल के प्रधानमंत्री इट्ज़हैक शमीर द्वारा अधिकृत ऑपरेशन सुलैमान शुरू किया गया।

केरल के मुख्यमंत्री तो बन गए सतीशन, लेकिन सामने चुनौतियों का पहाड़

आदिति फडणोस

केरल में हाल ही में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार का नेतृत्व संभालने वाले मुख्यमंत्री वडशेरी दामोदर मेनन सतीशन, वोडी नाम से लोकप्रिय हैं। सतीशन कांग्रेस के उन गिने-चुने नेताओं में से एक हैं जो किसी गुट से नहीं जुड़े हैं।

केरल कांग्रेस में यह इस मायने में एक विरोधाभास है कि पार्टी के भीतर के गुट ही सत्ता का संतुलन बनाए रखते हैं और पार्टी को पूरी तरह से खत्म होने से बचाते हैं, जैसा कि कई अन्य राज्यों में हो चुका है। एफ़े एंटनी और करुणakaran के बीच हुए प्रसिद्ध टकराव से लेकर उम्मेन चांडी के उदय तक, जिन्होंने दोनों गुटों के नेतृत्व गुणों (और समर्थकों) को आत्मसात किया, राज्य में कांग्रेस में गुटवाद ही वह गौद है जो पार्टी को एकजुट रखता है।

अपना पहला चुनाव 1996 में परवूर विधान सभा क्षेत्र से हारने के बाद सतीशन ने गुटों के प्रलोभनों को ठुकरा दिया। पूर्व मुख्यमंत्री और रक्षा मंत्री एफ़े एंटनी के वह प्रिय हैं। सतीशन ने सभी की शुभकामनाएं स्वीकार कीं लेकिन स्वायत्त बने रहे। इस

मायने में वह राजनीतिक रूप से एक स्व-निर्मित श 2खिसयत हैं, इसीलिए कभी-कभी उनके लहजे में थोड़ी सी अकड़ झलकती है।

पूर्व विधान सभा अध्यक्ष जी. कार्तिकेयन अपवाद थे, जिन्होंने 1996 में इस युवा नेता को पहचाना और एंटनी और करुणाकरन दोनों से उनका समर्थन करने को कहा। सतीशन ने 2001 के विधान सभा चुनाव में परवूर सीट से ही चुनाव लड़ा, जीत हासिल की और तब से इस सीट पर काबिज हैं। कार्तिकेयन ने 2000 में भविष्यवाणी की थी कि सतीशन एक दिन मुख्यमंत्री बनेंगे। वह सतीशन के राजनीतिक गुरु थे, इस तथ्य को मुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हैं।

इसलिए, यह कहना गलत नहीं होगा कि उनके सामने मौजूद कई जटिल चुनौतियों में से एक प्रमुख चुनौती कांग्रेस में गुटों का प्रबंधन करना होगा। हालांकि केरल की कांग्रेस राजनीति में एक चुनौती देने वाले और दिग्गज नेता रमेश चेन्नित्थला फिलहाल झुक गए हैं, लेकिन भविष्य में वह नेतृत्व में संभावित बदलाव के लिए विधायकों से संपर्क करेंगे।

कैसी वेणुगोपाल के पास न केवल विधायकों से अपनी बात मनवाने की क्षमता है, बल्कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर भी उनकी



अच्छी पकड़ है। इसलिए, अपनी नीतियों को आगे बढ़ाते हुए, सतीशन को उन पर भी नजर रखनी होगी। और ये नीतियां क्या हो सकती हैं? आलोचना को पुष्ट करने वाले सबूत मौजूद हैं। सतीशन न तो कट्टरपंथी पर्यावरणवादी हैं और न ही प्रौद्योगिकी विरोधी।

यह सच है कि विधान सभा में विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने वाम मोर्चा सरकार के तिरुवनंतपुरम और कासरगोड के बीच 530 किलोमीटर लंबी हाई-स्पीड रेल लाइन शुरू करने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया था, जिससे यात्रा का समय घटकर चार घंटे हो जाता। उन्होंने भूमि अधिग्रहण से होने वाले पर्यावरणीय विनाश का हवाला दिया था।

उन्होंने अपनी दूसरी कैबिनेट बैठक में इस परियोजना को रद्द कर दिया (जो केंद्रीय समर्थन के अभाव में वैसे भी आगे नहीं बढ़ पा रही थी)।

विश्रंजम बंदरगाह के विकास की उनकी आलोचना भ्रष्टाचार संबंधी चिंताओं पर आधारित थी, हालांकि इसके पीछे बंदरगाह के चालू होने के बाद केरल की पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले पर्यावरणीय प्रभाव का मुद्दा

भी था। उन्होंने पारिस्थितिकीविद् माधव गाडगिल की अध्यक्षता में गठित 2011 के पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल की सिफारिशों का जोरदार बचाव किया। रिपोर्ट में खनन, उत्खनन और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी। साथ ही विकेंद्रीकृत पर्यावरण शासन और श्रेणीबद्ध पारिस्थितिक संवेदनशीलता क्षेत्रों का प्रस्ताव भी रखा गया था।

लेकिन सतीशन ने कुछ समय पहले केरल की एक ज्वलंत समस्या को पकड़ लिया था। वर्ष 2018 और 2019 की बाढ़ और उसके बाद वायनाड और इडुक्की में बार-बार हुए

भूस्खलन ने केरल में आम लोगों और राजनेताओं के बीच एक ऐसा ‘पर्यावरण-प्रेमी वर्ग’ पैदा कर दिया है जैसा कहीं और नहीं दिखाई देता। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान इस वर्ग को संबोधित किया, उनसे गंभीरता से बातचीत की और उनकी चिंताओं को दूर करने की कोशिश की। कई लोगों ने माना कि उन्होंने ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जो किसी अन्य राजनेता ने नहीं किया था। लेकिन अब समय आ गया है कि मनुष्य और प्रकृति के बीच के इस संघर्ष को गंभीरता से सुलझाया जाए। असली चुनौती यही है कि वह इसे कैसे करेंगे।

उन्होंने अल्पसंख्यक अधिकारों के मुद्दे को भी बिना किसी संकोच के उठाया। वामपंथियों ने उन पर सांप्रदायिक राजनीति का आरोप लगाया है। लेकिन उन्होंने चर्च की सभाओं (235) में भाग लेकर ईसाई मतदाताओं को चौंका दिया और बाइबल का ऐसा गहन ज्ञान प्रदर्शित किया, जितनी कई ईसाइयों के पास भी नहीं है। केरल की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मुस्लिम समूह कहते हैं कि धर्मनिरपेक्षता के प्रति उनके आश्वासनों के कारण वह बिना किसी संकोच के उनका समर्थन करते हैं। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग

(आईयूएमएल)सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री पद के लिए उनके नाम का समर्थन करने वाली पहली पार्टी थी। कांग्रेस के कई लोगों के लिए यह एक समस्या है।

इसमें कोई शक नहीं कि सतीशन के सामने सुलझाने के लिए कई जटिल आर्थिक मुद्दे हैं, खासकर खाड़ी युद्ध और विदेश से राज्य में आने वाले धन में गिरावट से उत्पन्न हुई समस्याएं। विदेश से आने वाली धनराशि केरल की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती रही है। लेकिन वह सबसे पहले वाम मोर्चे पर निशाना साध रहे हैं।

उन्होंने सार्वजनिक निवेश और कल्याणकारी योजनाओं के प्रति अपना रुख स्पष्ट कर दिया है- राज्य सरकार की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा देकर और राज्य की राजनीति में एक संवेदनशील मुद्दा रहे आशा स्वास्थ्य कार्यक्रमताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के वेतन में वृद्धि करके। वाम मोर्चे ने सिर्फ वादे ही किए। लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सतीशन एक ऐसे क्षेत्र में काम कर रहे हैं जहां कई बड़े नाम हैं। उसे यह साबित करना होगा कि वह भी एक बड़ा नाम हैं।

युद्ध, अविश्वास और बयानबाजी के बीच भारत का बढ़ता सम्मान

रॉ रावठेन्द्र शर्मा

अमेरिका ने ईरान पर हमला क्यों बोला ? सब जानते हैं। इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू की दुश्मनी डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ऊपर क्यों ली ? यह भी सबको पता है। रूस यूक्रेन लंबे समय से क्यों एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं, यह भी किसी से छुपा नहीं है। रह जाती है खाड़ी देशों की बात, तो वहां से भी अच्छे समाचार नहीं मिल रहे। आपस में एक दूसरे के ठिकानों पर बमबारी करने की मजबूरी देखने को मिल रही है। लेकिन वैश्विक और क्षेत्रीय कुछ नेताओं ने युद्ध से पहले और युद्ध के दौरान को कहा और किया, उस कृत्य ने उनकी वैश्विक छवि को हास्यास्पद बना दिया है। मसलन – ईरान को बर्बाद कर देने के दावे करने के बावजूद ईरान का और ज्यादा आक्रामक होते चले जाने, यूरोपीय एकता की मिसाल कहे जाने वाले नाटो का हालातो से किनारा कर जाना, युद्ध में अपनी जमीन का दुरुपयोग ना होने देंगे संबंधी फ्रांस का दो टूक जवाब, सीज फायर की नौबत आन पड़ी तो एक और समझौते की बात करना फिर साथ में इस युद्ध में उलझे हुए देशों द्वारा एक दूसरे को खत्म करने की धमकी भी देते चले जाना, ऐसे मामले हैं जो उपरोक्त मामलों में विद्वता झाड़ रहे बड़बोले नेताओं की गंभीरता को कम करते हैं। नतीजा यह है कि विश्व समझ ही नहीं पा रहा, परस्पर एक दूसरे से जुझ रहे देश के नेताओं की कौन सी बात मांनें और कौन सी नहीं। यानि असमय और हर वक्त मुंह चलाने की आदत ने शाब्दिक जुगाली करने के आदी नेताओं को अविश्वसनीय बना दिया है। हालात यह बन गए हैं कि एक देश का राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे को गंभीरता से लेना ही नहीं चाहता। हालात ये हो गई कि कल जिन देशों को शत्रु राष्ट्र समझा जा रहा था अब उन का साथ बैठना दोनों की मजबूरी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन जग हंसाई इस पर भी हो रही है कि नेता आपस में मिल रहे हैं। कैसे भी जंग समाप्त हो, इसके सच्चे झूठे रास्ते भी तलाश रहे हैं। लेकिन इसे अविश्वास की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि स्वयं को विश्व का ठेकेदार समझने वाले ऐसे वार्ताकार साझा प्रेस कॉफ़ेंस करने की हिम्मत तक नहीं कर पा रहे । उससे भी ज्यादा

अपमानजनक हालात यह बने कि एक राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे राष्ट्र की यात्रा पर जा रहा है तो यजमान राष्ट्रध्यक्ष द्वारा प्रोटोकॉल के तहत आगंतुक अति विशिष्ट जन की सम्मानजनक अगवानी तक नहीं की जा रही। कुल मिलाकर अमेरिका ईरान का सीज फायर संकट में है। हॉर्मुज स्ट्रेट का मामला सिर दर्द बना हुआ है। रूस यूक्रेन पहले की तरह ही मोर्चे पर डटे हुए हैं। बड़ा आश्चर्य होता है यह सोचकर कि हमारे देश के अनेक विपक्षी नेता काफी चिह्लपों इस बात पर मचा रहे थे कि इतना सब हो रहा है, पर हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कुछ नहीं बोल रहे। इस बात पर भी आपत्ति जताई गई कि बोलते भी हैं तो बेहद कम और अपने मतलब की बात करते हैं। अब जब पूरा वैश्विक परिदृश्य सामने है, तब ऐसे स्वयंभू ज्ञानियों को समझाना थोड़ा आसान प्रतीत होता है कि इस अशांति पूर्ण माहौल में अकारण मुंह चलाने वालों की कैसी दुर्दशा हो रही है? लेकिन एक हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हैं, जो चुपचाप अपना कार्य करते चले जा रहे हैं। बड़बोले नेताओं के देश ईधन से मेहरूम होकर बर्बादी की कगार पर हैं। जहां थोड़ा बहुत ईधन है भी तो दाम दुगने चीगुने करने की लाचारी है। लेकिन भारत एकमात्र ऐसा देश है जो भारी हिंसा और युद्ध कालीन विभीषिकाओं के बीच भी शांति का टापू बना हुआ है। हमारे यहां डीजल पेट्रोल और रसोई गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। कारण सिर्फ यही है कि हमारे नेता श्री नरेंद्र मोदी दूसरों के मामले में अपनी टांग फंसाने का शौक नहीं रखते। और ना ही उन्हें यह मंजूर है कि कोई हमारे मामलों में अपनी नाक घुसेड़े। वे अमेरिका और इजरायल से बात करते हैं तो ईरान सहित अन्य खाड़ी देश का भी सम्मान बनाए रखते हैं। जहां भी बात करते हैं तो नेशन फर्स्ट की सोच आगे रखकर ही बेहद सधे हुए कदम बढ़ाते हैं। इससे स्पष्ट हो जाता है कि वैश्विक स्तर पर भारत का दबदबा अन्य देशों की अपेक्षा ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में वर्तमान भारत की आवाज और उसकी अपेक्षाओं को गंभीरता से लिया जाता है। काश यह बात दुनिया भर के राष्ट्रध्यक्षों के साथ-साथ हमारे देश के विपक्षी नेताओं की समझ में भी आ जाती।

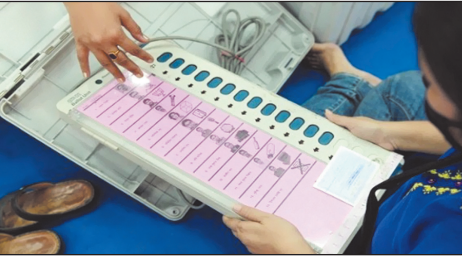
ईवीएम : सवाल उठाइए, मगर संदेह मत फैलाइए

पीयूष पांडे

स्वतंत्र भारत में पहला लोकसभा चुनाव 25 अक्तूबर, 1951 से 21 फरवरी, 1952 के बीच हुआ था, और मई 1952 में पहली लोकसभा अस्तित्व में आई थी। संसदीय चुनावों के करीब 75 वर्षों के इतिहास में भारत की चुनाव प्रणाली अलग-अलग मोड़ों से गुजरते हुए उस मुकाम पर पहुंची है, जहां ‘फ़ी एंड फेयर’ चुनाव की अवधारणा वास्तविकता के काफी निकट है। दुर्भाग्य है कि कुछ राजनीतिक दल हार के बाद चुनाव प्रणाली को ही कठघरे में खड़ा कर देते हैं और यह सिलसिला अब नियमित हो चला है।

भारत में बार-बार यह बात साबित हुई है कि यहां लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत हैं और इसका प्रमुख कारण है यहां की चुनाव प्रणाली। संविधान सभा ने जब तय किया कि भारत सभी वयस्कों को मताधिकार देगा, तो यह अपने आप में एक क्रांतिकारी कदम था। इसके बाद चुनाव संपन्न करने में जो मेहनत हुई, वह अद्भुत थी। सबसे पहले एक समावेशी मतदाता सूची बनाने में ही अधिकारियों के पसीने छूट गए थे। लाखों लोगों के पास जन्म प्रमाणपत्र, पहचान-पत्र या निवास प्रमाण जैसी कोई चीज नहीं थी। अधिकारियों के पास न कोई डाटाबेस था और न कोई पूर्व अनुभव। तमाम कोशिशों के बावजूद लाखों महिलाएं अपना नाम बताने को तैयार नहीं थीं। इसी वजह से कई महिला मतदाताओं के नाम दर्ज नहीं हो पाए। कई राज्यों के अधिकारियों ने केंद्र की चिट्ठी लिखकर पूछा कि मतदाता सूची कैसे बनती है ? तब पूर्वी पंजाब के चुनाव आयुक्त ने केंद्र को लिखा कि राज्य की सभी बड़ी प्रिंटिंग प्रेस पाकिस्तान के लाहौर में हैं, इसलिए मतदाता सूची की छपाई मुश्किल है। मतदाता सूची बनाना कितना कठिन था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान में सार्वभौमिक मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष चुनाव होने व मतदाता सूची बनाने में दो दशक से ज्यादा का समय लग गया।

निर्वाचन आयोग ने हजारों मुश्किलें पार कर देश में चुनाव संपन्न कराए। हालांकि, उस समय भी चुनाव में गड़बड़ी की शिकायतें आईं, जबकि चुनाव आयुक्त कांग्रेस सरकार के ही चुने हुए थे। नौ फरवरी, 1952 को



तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन को पत्र लिखकर कहा कि उन्हें चुनाव संचालन के विषय में कई शिकायतें मिली हैं। नेहरू जी ने लिखा-‘मुझे बताया गया है कि कई जगह मतदान पेटियों को बदल दिया गया या उनके साथ छेड़छाड़ की गई है’। 1990 के पूर्व तक चुनावी प्रक्रिया को सत्ताधारी दल और बाहुबली प्रभावित कर लेते थे। फिर टी एन शेषन चुनाव आयुक्त बने। उन्होंने मतदान के समय केंद्रीय बलों की तैनाती, शिकायत मिलने पर चुनाव स्थगन, वोटर आईडी की अनिवार्यता और कई चरणों में मतदान जैसे सख्त कदम उठाए। टी एन शेषन की सख्ती से नाराज लालू प्रसाद यादव ने उन्हें ‘पागल सांड’ तक कह दिया था।

साल 2000 के बाद ईवीएम के इस्तेमाल ने मतदान को और सुगम बनाया। यह अलग बात है कि विपक्ष ईवीएम में गड़बड़ी का मुद्दा जोर-शोर से उठाता रहा है, पर 2017 में चुनाव आयोग द्वारा आयोजित ‘ईवीएम चैलेंज’ में कोई भी राजनीतिक दल मशीनों में छेड़छाड़ का दावा साबित नहीं कर पाया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर वीवीपैट प्रणाली को भी व्यापक रूप से लागू किया गया। भारत में ईवीएम की उपयोगिता इस तथ्य से समझी जा सकती है कि यहां करीब 97 करोड़ वोटर हैं, जबकि अमेरिका में सिर्फ 17 करोड़ और ब्रिटेन में सिर्फ पांच करोड़ ही वोटर हैं। चुनाव प्रक्रिया में भरोसा बढ़ाने के लिए ही बृथ पर सीसीटीवी कैमरा लगाने और वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे उपाय किए गए। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के बाद उम्मीदवारों के लिए अपनी संपत्ति, पारंप्राधिक मामलों और शैक्षणिक योग्यता की जानकारी सार्वजनिक करना अनिवार्य हुआ। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर निर्वाचन आयोग ने

ईवीएम में आखिरी बटन के रूप में नोटा जोड़ा। महत्वपूर्ण है कि 2024 के चुनाव में करीब एक करोड़ चार लाख वोट नोटा पर पड़े। ऐसे में, अब यह बहस जोर पकड़ रही है कि मतदाता के पास ‘राइट टू रिकॉल’ होना चाहिए।

चुनाव सुधार एक सतत प्रक्रिया है और भारत ने इस मामले में लगातार प्रगति की है। इसी कारण मतदाताओं का भरोसा संसदीय चुनाव प्रणाली पर बढ़ा है। देश में हुए पहले, दूसरे और तीसरे आम चुनाव में सिर्फ 45.7, 47.7, और 55.4 फीसदी लोगों ने वोट डाले थे, जो बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनाव तक 65.8 फीसदी तक पहुंच गए। हाल में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तो पहले चरण में 93.19 फीसदी और दूसरे चरण में 91.66 फीसदी वोट पड़े। मगर विपक्षी दलों ने मतदाताओं के निर्णय को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अलावा निर्वाचन आयोग व सरकार की मिलीभगत का नतीजा बता दिया। निश्चित रूप से एसआईआर का क्रियान्वयन और बेहतर होना चाहिए था, पर डुप्लीकेट, मृत, घुसपैठिये और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाना तथा नए पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ना गलत कैसे हो सकता है? फिर, पश्चिम बंगाल में जिन 20 सीटों पर सबसे ज्यादा वोट कटे, उनमें तुणमूल कांग्रेस ने 13 और भाजपा ने छह सीटें जीतीं। 49 ऐसी सीटें थीं, जहां हटाए गए वोट विजयी अंतर से ज्यादा थे। इनमें भाजपा ने 26 और तुणमूल ने 21 सीटें जीतीं। चुनाव में जीत-हार के पीछे अनेक कारण हो सकते हैं, लेकिन हर हार के बाद चुनावी प्रक्रिया को कठघरे में खड़ा करना लोकतंत्र के लिए स्वस्थ संकेत नहीं है। यदि विपक्ष को लगता था कि बिहार या पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान बड़े पैमाने पर वास्तविक मतदाता प्रभावित हुए हैं, तो उसे ऐसे प्रभावित लोगों को सामने लाकर ठोस राष्ट्रीय बहस खड़ी करनी चाहिए थी। लोकतंत्र में सवाल उठाने का अधिकार सभी को है, पर यह भी आवश्यक है कि आरोप प्रमाण आधारित हों। भारत ने 75 वर्षों में अनेक कठिन दौर पार करते हुए चुनावों को लोकतांत्रिक आस्था का बड़ा उत्सव बनाया है। इस विश्वास को बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की साझा जिम्मेदारी है।

तमिलनाडु में तमिल राजनीति के उदय से उम्मीद की नई किरणें

विनोद कुमार सिंह

वैश्विक राजनीतिक पटल पर सैद्ध व ही भारत व भारतीय लोकतंत्र की चर्चा होती रहती है।भारत में संविधान ही सर्वोपरि है।जो अपने नागरिको मौलिक अधिकारो व कर्तव्यों की स्पष्ट उल्लेख किया है। यहाँ के नागरिकों को मताधिकार दिया है।भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत रही है कि यहाँ जनता समय-समय पर सत्ता, समीकरण और राजनीतिक विचार धारों व धारणाओं को बदलती रही है।भारतीय राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल की शक्ति स्थायी नहीं होती।कभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का प्रभाव चरम पर होता है,तो कभी क्षेत्रीय अस्मिता नई राजनीतिक धारा बनकर उभरती है। विगत दिनों दक्षिण भारत का तमिलनाडु राज्य इसी राजनीतिक परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण रहा है।

लगभग छह दशकों तक तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द घुमती रही। कभी डी एम के सत्ता में आई तो कभी ए आई ए डी एम के लेकिन राजनीतिक केंद्र वहीं बना रहा। जनता के सामने विकल्प बदलते रहे, किन्तु राजनीति का मूल स्वर द्रविड़ विचारधारा ही बनी रही, किन्तु समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता। राजनीति की भी पीढ़ियाँ बदलती हैं, प्राथमिकताएँ बदलती हैं और जनता की अपेक्षाएँ भी बदल जाती हैं। वर्ष 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आया।इस चुनाव ने न केवल राजनीतिक पंडितों के संधी अनुमान उलट दिए,बल्कि यह भी साबित कर दिया कि जनता जब परिवर्तन का मन बना लेती है,तो दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाएँ भी ढिल जाती हैं।तमिल फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता विजय के नेतृत्व में उभरी नई राजनीतिक धारा ने पहली बार तमिलनाडु की राजनीति को द्रविड़ बनाम द्रविड़ की पारंपरिक लड़ाई से बाहर निकालने का प्रयास किया।विजय ने स्वयं को केवल अभिनेता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया,बल्कि नई तमिल राजनीति के नायक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की।उनकी सभाओं में उमड़ती युवाओं की भीड़,सोशल मीडिया पर असाधारण लोकप्रियता और पारंपरिक राजनीति के विरुद्ध आक्रोश ने चुनावी वातावरण को पूरी तरह बदल दिया।शुरुआत में राजनीतिक विश्लेषक इसे



केवल स्टारडम का प्रभाव मान रहे थे,लेकिन विधान सभा चुनाव के परिणामों ने यह साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी।तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटों की आवश्यकता थी।नुवाव परिणामों में विजय की पार्टी टी वी के ने 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरकर सबको चौंका दिया।वहीं डी ए के 59 सीटों पर सिमट गई और ए आई ए डी एम के गठबंधन लगभग 53 सीटों तक सीमित रह गया।कांग्रेस को केवल 5 सीटों से संतोष करना पड़ा।इन परिणामों ने केवल सरकार का गणित नहीं बदला,बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की आत्मा में चल रहे परिवर्तन को भी उजागर कर दिया। पहली बार मतदान करने वाले लाखों युवा मतदाताओं ने जातीय और परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं से ऊपर उठकर नए नेतृत्व पर भरोसा जताया।यही कारण रहा कि शहरी क्षेत्रों,आंड्री कॉरिडोर और शिक्षित युवाओं वाले निर्वाचन क्षेत्रों में पारंपरिक दलों को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाया।राजनीतिक विश्लेषकों की सबसे बड़ी भूल यह रही कि वे तमिलनाडु की राजनीति को पुराने चुनावी गणित से समझने का प्रयास करते रहे,जबकि जनता का मन बतल चुका था।

विजय ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार तमिल अस्मिता और नई पीढ़ी की राजनीति को केंद्र में रखा।उन्होंने पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से दूरी बनाते हुए स्वयं को भविष्य की राजनीति का चेहरा साबित करने का प्रयास किया।इस चुनाव का सबसे बड़ा झटका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को लगा। कभी दक्षिण भारत में मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली कांग्रेस अब गठबंधन की

राजनीति तक सीमित दिखाई दे रही है। तमिलनाडु के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल क्षेत्रीय दलों के सहारे राजनीति करने से किसी राष्ट्रीय दल का जनाधार मजबूत नहीं हो सकता।कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा संकट स्थानीय नेतृत्व का अभाव है।पार्टी के पास ऐसा कोई करिश्माई चेहरा नहीं दिखता जो तमिलनाडु की जनता के भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सके।यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक पुनर्गठन और दक्षिण भारत की नई रणनीति पर गंभीर चर्चा प्रारम्भ हो गई है।राजनीतिक दृष्टि से देखें तो तमिलनाडु का यह जनादेश केवल एक राज्य की घटना नहीं है।यह भारतीय राजनीति में बदलती सामाजिक मानसिकता का संकेत है। राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य की राजनीति अब केवल जातीय समीकरणों और पारंपरिक वोट बैंक के सहारे नहीं चलेगी।सोशल मीडिया,युवा मतदाता और राजनीतिक पारदर्शिता नए निर्णायक कारक बन चुके हैं। तमिलनाडु ने यह संदेश पूरे देश को दे दिया है।

आज पूरा देश तमिलनाडु के राजनीतिक घटना क्रम को इसलिए ध्यान से देख रहा है क्योंकि वहाँ से उठी राजनीतिक लहर आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बदल सकती है। तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 6 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से नई तमिल राजनीति भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश। दरअसल लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता जनार्दन का मौन निर्णय होता है। राजनीतिक पंडित अक्सर आँकड़ों में उलझ जाते हैं,लेकिन जनता अपने मन का फैसला चुपचाप करती है। तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण को कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।अगर यदि ऐसा होता है,तो इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि तमिलनाडु ने एक बार फिर देश को राजनीति की नई दिशा दिखाई थी।

‘एक देश, एक चुनाव’ से रुक सकती है आर्थिक संसाधनों की बर्बादी?

प्रमोद भार्गव

एक साथ चुनाव कराने को लेकर संयुक्त संसदीय समिति के निष्कर्ष में सोने में सुहागा वाली कहावत चरितार्थ होने का तथ्य निश्चलकर आया है। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने दावा किया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से सात लाख करोड़ रुपए की बचत होगी। इस उपाय से देश की जीडीपी में 1।6 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस बचे धन का उपयोग बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, गरीब कल्याण योजनाओं और अन्य सेवाओं में किया जा सकेगा। 14 सदस्यीय यह समिति एक साथ चुनाव से संबंधित तमाम पहलुओं के साथ दो प्रस्तावित – 129 वें संविधान संशोधन और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयकों के प्रारूप पर काम कर रही है।

एक साथ चुनाव की दिशा तय करने के लिए सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। समिति ने मार्च 2024 में अपनी विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी। इस रिपोर्ट को कैबिनेट ने स्वीकार करते हुए चुनाव से संबंधित संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी थी। इसके प्रारूप को तैयार करने की जिम्मेदारी संसदीय समिति निभा रही है। 2029 में एक देश, एक चुनाव यानी देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के साथ निकाय व पंचायत चुनाव भी एक साथ कराने की दिशा में केंद्र सरकार एक-एक कदम आगे बढ़ रही है। गृह मंत्री अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि 2029 के पहले एक साथ चुनाव का प्रबंध कर दिया जाएगा। साफ है, सरकार अपने इस महत्वाकांक्षी वादे को क्रियान्वित करने के प्रति संकल्पबद्ध है।

एक साथ चुनाव कराए जाते हैं तो इस समय तक जिन राज्य सरकारों का कार्यकाल बचा होगा, वह लोकसभा चुनाव तक ही पूरा मान लिया जाएगा। वैसे भी आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ-साथ होते रहे हैं,लेकिन 1968 और 1969 में समय के पहले ही

कुछ राज्य सरकारों भंग कर दिए जाने से यह परंपरा टूट गई।

अब इस व्यवस्था को लागू करने के लिए संविधान में करीब 18 संशोधन करने होंगे। इनमें से कुछ बदलावों के लिए राज्यों की भी अनुमति जरूरी होगी। यदि स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव भी साथ-साथ होते हैं तो फिर मतदाता सूची निर्वाचन आयोग तैयार कराएगा। इस हेतु अनुच्छेद 325 में परिवर्तन करना होगा। साथ ही अनुच्छेद 324-ए में संशोधन करते हुए निगमों और पंचायतों के चुनाव भी लोकसभा चुनाव के साथ करा लिए जाएंगे। संविधान के अनुच्छेद 368-ए के तहत इस संशोधन विधेयक को आधे राज्यों से भी पास करना जरूरी होगा। इसी अनुरूप केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी अलग से संविधान संशोधन की आवश्यकता पड़ रही है। हालांकि 2029 तक इस कानून का लागू होना फिलहाल असंभव लग रहा है।

चूँकि संविधान के मुताबिक केंद्र और राज्य सरकारों अलग-अलग इकाइयाँ हैं, इस परिप्रेक्ष्य में संविधान में समानांतर किंतु भिन्न-भिन्न अनुच्छेद हैं। इनमें स्पष्ट उल्लेख है कि इनके चुनाव प्रत्येक पांच वर्ष के भीतर होने चाहिए। लोकसभा या विधानसभा जिस दिन से गठित होती है, उसी दिन से पांच साल के कार्यकाल की गिनती शुरू हो जाती है। इस लिहाज से संविधान विधेयशेषों का मानना है कि एक साथ चुनाव के लिए कम से कम 18 अनुच्छेदों में संशोधन किया जाना जरूरी होगा। विधि आयोग, निर्वाचन आयोग, नीति आयोग और संविधान समीक्षा आयोग तक इस मुद्दे के पक्ष में अपनी राय दे चुके हैं। ये सभी संवैधानिक संस्थाएँ हैं। यदि विपक्षी दल सहमत हो जाते हैं तो दिहाई बहुमत से होने वाले ये संशोधन कठिन कार्य नहीं हैं। क्योंकि राजग के सहयोगी दल जदयू और तेलुगु देशम एक साथ चुनाव के पक्ष में हैं। बीजू जनता दल भी राजग के साथ खड़ा दिखाई दे सकता है। यदि संसद के अन्य विपक्षी दल, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देशहित में निर्णय लें तो यह विधेयक आसानी से दोनों सदनों से पारित हो जाएगा।

संकष्टी चतुर्थी पर कौन करता है निर्जल व्रत और क्यों



गणेश चतुर्थी कहलाती है पर संकष्टी चतुर्थी का बहुत महत्व है। इस दिन धार्मिक प्रवृत्ति की स्त्रियां व्रत व गणेश पूजन करती हैं। इस दिन विद्या-बुद्धि-वारिधि, संकट हरण गणेशजी तथा चंद्रमा का पूजन किया जाता है।

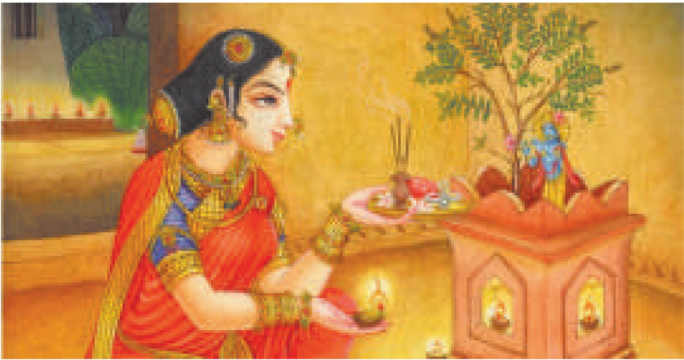
पूजन किया जाता है। यह व्रत संकटों तथा दुखों को दूर करने वाला तथा प्राणी मात्र की सभी इच्छाएं व मनोकामनाएं पूरी करने वाला है। इस दिन स्त्रियां निर्जल व्रत करती हैं। इस दिन कच्चे तिल को कूटकर गणेशजी की मूर्त बनाई जाती है और उनकी पूजा की जाती है और कथा सुनने के बाद लोटे में भरा जल चंद्रमा को अर्घ्य देकर ही व्रत खोला जाता है। रात्रि को चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही महिलाएं भोजन करती है। संकट चौथ के दिन तिल को भूनकर गुड़ के साथ कूटकर तिलकुटा यानि तिलकुट का पहाड़ बनाया जाता है। उसकी पूजा करके घर का कोई बच्चा

उसकी गर्दन काटता है, फिर सभी को प्रसाद दिया जाता है। तिलकुटे से ही गणेशजी का पूजन किया जाता है तथा इसका ही बायना निकालते हैं और तिलकुट को भोजन के साथ खाते भी हैं। जिस घर में लडके की शादी या लडका हुआ हो, उस वर्ष संकट चौथ को सवा किलो तिलों को सवा किलो शक्कर या गुड के साथ कूटकर इसके तेरह लड्डु बनाए जाते हैं। इन लड्डुओं को बहू बायने के रूप में सास को देती है। कहीं-कहीं इस दिन व्रत रहने के बाद सायंकाल चंद्रमा को दूध का अर्घ्य देकर पूजा की जाती है। गौरी-गणेश की स्थापना कर उनका पूजन तथा वर्षभर उन्हें घर में रखा जाता है। तिल, ईख, गंजी, भांटा, अमरुद, गुड, घी से चंद्रमा गणेश का भोग लगाया जाता है। यह नैवेद्य रात भर डलिया से ढककर रख दिया जाता है, जिसे ‘पहार’ कहते हैं। पुत्रवती माताएं पुत्र तथा पति की सुख-समृद्धि के लिए यह व्रत करती हैं। उस ढके हुए ‘पहार’ को पुत्र ही खोलता है तथा उसे भाई-बंधुओं में बांटा जाता है।

घर में अवश्य लगाएं तुलसी के पौधे क्योंकि

तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है। तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान है। तुलसी को इन सभी प्रजातियों के गुण अलग हैं। इन्हीं में से कुछ ऐसे उपाय हैं जिनसे आप अपने घर का वास्तु दोष भी ठीक कर सकते हैं।

1. वास्तुदोष दूर करने के लिए इसे दक्षिण-पूर्व से लेकर उत्तर पश्चिम तक किसी भी खाली कोने में लगाया जा सकता है।
2. तुलसी का पौधा किचन के पास रखने से घर के सदस्यों में आपसी सामंजस्य बढ़ता है।
3. पूर्व दिशा में यदि खिडकी के पास तुलसी का पौधा रखा जाए तो आपकी संतान आपका कहना मानने लगेगी।
4. अगर संतान बहुत ज्यादा जिदी और अपनी मर्यादा से बाहर है तो पूर्व दिशा में रखे तुलसी के पौधे के तीन पत्ते रोज उसे किसी ना किसी तरह खिला दें।
5. यदि आपकी कन्या का विवाह



तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है। तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान।

नहीं हो रहा हो तो तुलसी के पौधे को दक्षिण-पूर्व में रखकर उसे नियमित रूप से जल अर्पण करें। इस उपाय से जल्द ही योग्य वर की प्राप्ति होगी।

6. यदि आपका कारोबार ठीक से नहीं चल रहा है तो तुलसी के पौधे को नैऋत्य कोण में रखकर हर शुक्रवार को कच्चा दूध चढाएं।
7. नौकरी में यदि उच्चाधिकारी की वजह से परेशानी हो तो ऑफिस में जहां भी खाली जगह हो वहां पर

सोमवार को तुलसी के सोलह बीज किसी सफेद कपड़े में बांधकर कोने में दबा दे। इससे आपके संबंध सुधरने लगेगें।

8. शरीर में नाक, कान वायु, कफ, ज्वर खांसी और दिल की बीमारियों पर तुलसी के पत्ते रोग दूर करने में सहायक हैं।
9. तुलसी एकमात्र पौधा है जो जीवन को सुखमय बनाने में सक्षम है।

कर्म का आधार है विचार

विचारों से ही कर्म का जन्म होता है। वे कर्म की नींव हैं। हमारे विचार जितने अच्छे होंगे, उतने ही श्रेष्ठ हमारे कर्म भी होंगे।आचार्य शिवेंद्र नागर का चिंतन विचारों से ही कर्म का जन्म होता है। वे कर्म की नींव हैं। हमारे विचार जितने अच्छे होंगे, उतने ही श्रेष्ठ हमारे कर्म भी होंगे।

आचार्य शिवेंद्र नागर का चिंतन... वेदांत में बताया गया है कि शारीरिक कर्म मात्र परिणाम है, उसका वास्तविक कारण कुछ और है। शारीरिक कर्म होते हुए दिखता तो है, परंतु वह क्यों किया गया, इसके कारण का पता नहीं चलता। अगर मात्र शरीर ही कर्म कर रहा होता तो देहांत के बाद शरीर

कर्म क्यों करता। मृत्यु के उपरांत शरीर में कर्म करने की क्षमता कुछ देर तक रहती है। मृत व्यक्ति के अंगों का दान करने से वे जीवित व्यक्ति के लिए काम आ जाते हैं। यानी देह में मृत्यु के बाद भी कर्म करने की क्षमता होती है। कार्य करने की प्रक्रिया भले ही शरीर से होती है, लेकिन उसके अन्य कारण हैं। कर्म

का कारण इच्छा है। इच्छा का कारण विचार है तथा विचार का कारण वासना है। वासना का अर्थ हमेशा नकारात्मक नहीं होता। वासना का एक अर्थ ‘खुशबू’ भी है। स्वभाव या प्रवृत्ति को भी वासना कहा गया है। वासनाएं पहले विचार रूप में प्रकट होती हैं। विचार पर केंद्रित होने पर विचार इच्छा में बदल जाता है। फिर इच्छा कर्म के रूप में प्रकट हो जाती है। आदि शंकराचार्य ने वासनाओं को ‘अज्ञान’ कहा है। इसीलिए योगी-महात्माओं ने विचारों की शुद्धता पर बल दिया। विचार अच्छे होंगे तो कर्म भी श्रेष्ठ होगा। मान लीजिए, अगर आटे में कंकड़ हैं, तो चाहे आप कितना भी अच्छा खाना क्यों न पकाते हों, रोटी खराब ही बनेगी। आटा अच्छा हो, तो रोटी अच्छी भी बन सकती है और खराब भी, परंतु आटा ही खराब हो तो रोटी कैसे अच्छी बनेगी। कर्म का मूल कारण विचार है, इसलिए अगर विचार नकारात्मक होंगे तो कर्म श्रेष्ठ नहीं होगा। कर्म अगर भवन है, तो विचार उसकी नींव। कर्म की बुनियाद ही खराब होगी तो भवन अच्छा नहीं होगा। अगर विचारों में स्थिरता है तो कार्य को करने में हमें खुशी का अनुभव होगा। आज के जीवन में तो यह और भी जरूरी है कि किसी काम की शुरुआत अच्छे विचारों से हो।



भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया।

भगवान नृसिंह शक्ति के देवता हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने ‘नृसिंह अवतार’ लेकर दैत्यराज हिरण्यकशिपु का वध किया था। भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए तथा धर्म की स्थापना की और अपने भक्तों की सदैव संकट आने पर सहायता की।

नृसिंह अवतार

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दैत्यों का राजा

ऐसा दानव जिसकी मृत्यु न तो पशु और न ही मनुष्य से हुई



इन मंत्रों का करें उच्चारण
ॐ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम्
ॐ नृम नृम नृम नर सिंहाय नमः ।

हिरण्यकशिपु स्वयं को भगवान से भी अधिक शक्तिशाली मानता था। उसे मनुष्य, देवता, पक्षी, पशु, न दिन में, न रात में, न धरती पर, न आकाश में, न अस्त्र से, न शस्त्र से मरने का वरदान प्राप्त था। उसके राज में जो भी भगवान विष्णु की पूजा करता था उसको दंड दिया जाता था। उसके पुत्र का नाम प्रहाद था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु

का परम भक्त था। यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया। लेकिन भगवान विष्णु के चमत्कार से वह बच गया। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त

था, वह प्रहाद को लेकर धधकती हुई अग्नि में बैठ गई। तब भी भगवान विष्णु की कृपा से प्रहाद बच गया और होलिका जल गई। जब हिरण्यकशिपु स्वयं प्रहाद को मारने ही वाला था तब भगवान विष्णु नृसिंह का अवतार लेकर खंबे से प्रकट हुए और उन्होंने अपने नाखुनों से हिरण्यकशिपु का वध कर दिया।

ऐसे करें व्रत
इस दिन प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधी विधान के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए।
भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करना चाहिए, तत्पश्चात वेद मंत्रों से इनकी प्राण-प्रतिष्ठा कर षोडशोपचार से पूजन करना चाहिए। भगवान नृसिंह की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम, केसर, नारियल, अक्षत व पीताम्बर रखना चाहिए। गंगाजल, काले तिल, पंच गव्य व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें। भगवान नृसिंह को प्रसन्न करने के लिए उनके नृसिंह गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। पूजा के पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से नृसिंह भगवान के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए। इस व्रत को करने वाला व्यक्ति लौकिक दुःखों से मुक्त हो जाता है।

यह तो केवल एक शारीरिक क्रिया मात्र है



प्राणों के स्पंदन से ही हमारे भीतर की सभी शक्तियां संचालित होती हैं। स्वामी विवेकानंद का चिंतन...

सुषुम्ना बंद रहती है और साधारण मनुष्य के लिए इसका कोई उपयोग नहीं होता। वह इडा और पिंगला से ही अपना काम लिया करता है। इन्हीं नाडियों द्वारा सवेदना का प्रवाह आता-जाता रहता है और संपूर्ण शरीर में फैले हुए ज्ञान-तंतुओं द्वारा शरीर की पृथक-पृथक इंद्रियों तक ये नाडियां आदेश पहुंचाती हैं। इडा और पिंगला का व्यवहार नियमित करना और उनमें गति उत्पन्न करना प्राणायाम का उद्देश्य है। पर यह कोई बड़ी बात नहीं है। श्वासोच्छ्वास द्वारा हवा फेफड़ों में खींचना और उसके द्वारा खून साफकरना, इसमें कोई गुप्त रहस्य नहीं है। यह तो केवल एक शारीरिक क्रिया मात्र है। वस्तुतः प्राणायाम से सिद्ध हुई इडा और पिंगला की गति जब नियमित होकर अत्यंत सूक्ष्म हो जाती है, तब हम हुई हैं, पर सुषुम्ना ज्ञानतंतुमय नहीं है।

प्राणों के स्पंदन से ही हमारे भीतर की सभी शक्तियां संचालित होती हैं। स्वामी विवेकानंद का चिंतन...

सुषुम्ना बंद रहती है और साधारण मनुष्य के लिए इसका कोई उपयोग नहीं होता। वह इडा और पिंगला से ही अपना काम लिया करता है। इन्हीं नाडियों द्वारा सवेदना का प्रवाह आता-जाता रहता है और संपूर्ण शरीर में फैले हुए ज्ञान-तंतुओं द्वारा शरीर की पृथक-पृथक इंद्रियों तक ये नाडियां आदेश पहुंचाती हैं। इडा और पिंगला का व्यवहार नियमित करना और उनमें गति उत्पन्न करना प्राणायाम का उद्देश्य है। पर यह कोई बड़ी बात नहीं है। श्वासोच्छ्वास द्वारा हवा फेफड़ों में खींचना और उसके द्वारा खून साफकरना, इसमें कोई गुप्त रहस्य नहीं है। यह तो केवल एक शारीरिक क्रिया मात्र है। वस्तुतः प्राणायाम से सिद्ध हुई इडा और पिंगला की गति जब नियमित होकर अत्यंत सूक्ष्म हो जाती है, तब हम हुई हैं, पर सुषुम्ना ज्ञानतंतुमय नहीं है।

हैं, प्राप्त होते हैं। विश्व में सर्वत्र दिखाई देने वाली सब क्रियाएं इस प्राण के विभिन्न रूप हैं। यह प्राण सूक्ष्म महाशक्ति है। मस्तिष्क द्वारा यह प्राणशक्ति विचार के रूप में प्रकट होती है। सब वस्तुएं प्राणमय हैं और यह प्राण-शक्ति ही सूर्य, चंद्र, तारे आदि को चला रही है। विश्व में जो कुछ विद्यमान है, वह प्राण के स्पंदन का ही कार्य है। प्राण के सर्वोच्च स्पंदनों का कार्य है- विचार। इससे परे अगर कुछ है, तो वह हमारी कल्पना शक्ति के बाहर है। विभिन्न शक्तियों का रूप लेकर शरीर के प्रत्येक भाग को प्राण ही चलाता है। यह पुरानी कल्पना छोड़ दो कि ईश्वर नाम का कोई है, जो यह सब कार्य चला रहा है। काम करते समय हम थक जाते हैं, क्योंकि उसमें प्राणशक्ति व्यय हो जाती है।

भगीरथ ने बदायूं में किया था तप।

जेहन में कौंध जाएंगे। इसके बाद भी शायद संतोषजनक जवाब न मिल सके। इस असमंजस के जवाब को बदायूं आ

प्राचीन टीले पर अनूठी गुफा है। कपिल मुनि आश्रम के बगल स्थित इस गुफा को भगीरथ गुफा के नाम से जानते हैं। पहले यहां राजा सगर के 60 हजार पुत्रों की भी मूर्तियां थी, जो कुछ साल पहले चोरी चली गई। करीब ही राजा भगीरथ का एक अति जीर्ण-शीर्ण मंदिर है, जहां अब सिर्फ चरण पादुका बची है। आध्यात्मिक दृष्टि से सूकरखेत (बागह क्षेत्र) का वैसे भी बहुत महत्व है। बदायूं के कछला गंगा घाट से करीब पांच कोस की दूरी पर कासगंज की ओर बढ़कर एक बोर्ड दिखाई पड़ता है, जिस पर लिखा है भगीरथ गुफा। एक गांव है होडलपुर। थोड़ी दूर जंगल के बीच एक प्राचीन टीला दिखाई पड़ता है। बरगद का विशालकाय वृक्ष और अन्य पेड़ों के झुरमुटों बीच मठिया है। इसी टीले पर स्थित है कपिल मुनि आश्रम और भगीरथ गुफा। लाखोरी ईंटों से बनी एक मठिया के द्वार पर हनुमानजी की विशालकाय मूर्ति लगी है। भीतर प्रवेश करने पर एक मूर्ति और दिखाई पड़ती है, इसे स्थानीय लोग कपिल मुनि की मूर्ति बताते हैं। मूर्ति के बगल से ही सुरंगनुमा रास्ता अंदर को जाता है, जिसमें से एक व्यक्ति ही एक बार में प्रवेश कर सकता है। पांच मीटर भीतर तक ही सुरंग की दीवारों पर लाखोरी ईंटें दिखाई पड़ती हैं। इसके बाद शुरू हो जाती है कच्ची अंधेरी गुफा। सुरंगनुमा रास्ते से भीतर जाने के बाद एक बड़ी कोठरी मिलती है, जहां एक शिवलिंग भी कोने में है। कोठरी के बाद फिर सुरंग और फिर कोठरी। पर्याप्त रोशनी के साथ इस रास्ते से बढ़ते हुए चौथी कोठरी तक पहुंचने के बाद तो साथ गए स्थानीय फरीदपुर के श्याम गिरि की भी हिम्मत जवाब दे गई। उन्होंने सुझाव दिया कि यहां तक भी कोई नहीं आता, बिना ऑक्सीजन मास्क के आगे चलना ठीक नहीं है। श्याम गिरि ने बताया

कि पहले गंगा इसी टीले के बगल से होकर बहती थीं। अभी भी गंगा की एक धारा समीप से होकर बहती है, जिसे बूढ़ी गंगा कहते हैं। टीले के नीचे स्थित मंदिर से दुर्लभ मुखार बिंदु शिवलिंग भी चोरी चला गया था। इन घटनाओं की बाकायदा प्राथमिकी दर्ज हुई। बाद में पुलिस ने पाली (अलीगढ़) के एक तालाब से शिवलिंग तो बरामद कर लिया, लेकिन सगर पुत्रों की मूर्तियों का अभी भी कोई पता नहीं है। इसी टीले पर तीन समाधि भी हैं, जिसे गोस्वामी तुलसीदास के गुरु नरहरिदास की समाधि कहते हैं। यहां राजा भगीरथ का मंदिर है, जो कभी बहुत भव्य था।

कछला बनेगा भगीरथ नगर
बदायूं के कछला घाट पर निर्मल गंगा अभियान चला तो गंगासेवी वयोवृद्ध संत त्रिदंडी स्वामी वासुदेवाचार्य ने भगीरथ गुफा के बारे में जानकारी दी। श्री भगीरथ सेवा न्यास ने अभियान से जुड़े कई संगठनों को लेकर कछला घाट पर महाआरती की परंपरा शुरू की तो संतों-धर्माचार्यों ने कछला का नाम भगीरथ नगर करने की मांग उठाई। गौरीशंकर मंदिर के मुख्य आचार्य नारायण दास मुदगल कहते हैं कि इस समय भगीरथ गुफा से सबसे करीब कछला में ही सुविधाजनक गंगा घाट है। इसलिए भी कछला का नाम भगीरथ नगर होना चाहिए और संत-धर्माचार्य खुद यहां राजा भगीरथ का भव्य मंदिर बनवाएंगे। अखिल भारतीय संत सभा के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी पगलानंद भी संतों-धर्माचार्यों के साथ बीते सप्ताह भगीरथ गुफा का दर्शन करके आए। नगर पंचायत कछला की चेयरमैन पुष्पा देवी ने बोर्ड की ओर से कछला का नाम भगीरथ नगर किए जाने का प्रस्ताव पारित करवाने का आश्वासन संतों को दिया है।

गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए राजा भगीरथ ने कहां तपस्या की थी, यह सवाल सुनकर आप भी शायद हैरत में पड़ जाएंगे। गंगोत्री से गंगासागर तक न जाने कितने तीर्थ चलचित्र की भांति आपके जेहन मे बदायूं, [लोकेश प्रताप सिंह]। गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए राजा भगीरथ ने कहां तपस्या की थी, यह सवाल सुनकर आप भी शायद हैरत में पड़ जाएंगे।

गंगोत्री से गंगासागर तक न जाने कितने तीर्थ चलचित्र की भांति आपके

जाएं। यहां गंगा के कछलाघाट से कुछ ही दूर पर बूढ़ी गंगा के किनारे एक

सीजेपी के समर्थन में उतरे सोनम वांगचुक

नईदिल्ली। आनरेरी कॉकरोच बताते हुए कहा कि युवाओं की रचनात्मक अभिव्यक्ति से डरने की बजाय सरकार को उनका सदेश समझना चाहिए. उन्होंने पेपर लीक और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को गंभीर बताते हुए सोशल मीडिया अकाउंट बंद करने पर भी चिंता जताई. सोनम वांगचुक ने कहा- पेपर लीक जैसे मुद्दों पर युवाओं की बात सुनी चाहिए सोनम वांगचुक ने कहा- पेपर लीक जैसे मुद्दों पर युवाओं की बात सुनी चाहिए देश में इन दिनों एक अजीब लेकिन दिलचस्प ऑनलाइन आंदोलन चल रहा है जिसका नाम है कॉकरोच आंदोलन. इसे चलाने वाले खुद को कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी कहते हैं. इस आंदोलन को अब मशहूर एनवायरनमेंटलिस्ट और एजुकेशनिस्ट सोनम वांगचुक का भी समर्थन मिल गया है. उन्होंने खुद को आनरेरी कॉकरोच बताया है और सरकार से कहा है कि युवाओं की आवाज दबाने की बजाय उनकी बात सुनी जाए।

टिवशा शर्मा केस में पति समर्थ सिंह गिरफ्तार

नईदिल्ली। टिवशा शर्मा की मौत की चल रही जांच के सिलसिले में भोपाल पुलिस ने एक विस्तृत प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर मामले की अगली कार्यवाही की रूपरेखा प्रस्तुत की। भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने पुष्टि की कि टिवशा के पति समर्थ सिंह को हिरासत में ले लिया गया है और पुलिस आगे की पूछताछ के लिए सात दिन की रिमांड मांगेगी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि समर्थ सिंह को अदालत में पेश करने से पहले उनका मेडिकल परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस टिवशा की मौत से संबंधित परिस्थितियों के बारे में उनसे विस्तार से पूछताछ करने के लिए सात दिन की हिरासत मांगेगी। पुलिस के अनुसार, समर्थ सिंह जबलपुर की एक अदालत में आत्मसमर्पण करने पहुंचे थे, लेकिन प्रक्रिया आगे बढ़ने से पहले ही भोपाल पुलिस की टीम ने जबलपुर पुलिस की मदद से उन्हें हिरासत में ले लिया।

25-30 वर्षों में हथियारों का प्रमुख निर्यातक बनेगा भारत



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके तहत देश अगले 25–30 वर्षों में हथियारों का प्रमुख निर्यातक बनेगा। उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने में निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जिसका लक्ष्य रक्षा उत्पादन में 50 प्रतिशत की भागीदारी हासिल करना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि कोई भी शक्ति भारत को, जिसे कभी हथियारों का आयातक माना जाता था, अगले 25–30 वर्षों में हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती। शिरडी में गोला-बारूद निर्माण इकाई का उद्घाटन करने के बाद, सिंह ने कहा कि रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका को 50 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है बल्कि अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों का निर्माता भी है। सिंह ने कहा कि जब सरकार की दूरवृष्टि और निजी क्षेत्र का नवाचार एक साथ मिलते हैं, तभी देश नई ऊंचाइयों को छूता है।

वंदे मातरम् राष्ट्र के प्रति समर्पण और निष्ठा से भर देता है: भारती

नईदिल्ली। इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती एवं दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में वंदे मातरम् की 150वां जयंती पर शनिवार को दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी, चांदनी चौक में ‘वंदे मातरम् गाथा’ विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। वंदे मातरम् की गाथा अपनी जुबानी में सुप्रसिद्ध किस्सागो और चित्रकार भारती दीक्षित ने ओजपूर्ण भाव के साथ सुनाया। ‘वंदे मातरम्’ गीत बंकिमचंद्र चटर्जी ने 1875 में लिखा। 1882 में जब ‘आनंद मठ’ उपन्यास उन्होंने लिखा, इस गीत को उपन्यास में स्थान दिया गया। उपन्यास में संन्यासी भवानंद इस गीत को भाव में डूबकर गाता है। बाद में यह गीत संन्यासियों को राष्ट्र के प्रति समर्पण और निष्ठा से भर देता है। भारती दीक्षित ने इसके लिखे जाने से लेकर बाद में वंदे मातरम् से संबंधित जो भी महत्वपूर्ण घटनाएं घट्टीं उन् सबको समाहित कर किस्सागो रूप में प्रस्तुत किया। कैसे 1896 में कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में युवा कवि रवींद्रनाथ ठाकुर के सुमधुर कंठ के गान ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि रवींद्रनाथ ठाकुर द्वारा फिर से 1906 के कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में गाया गया और इसे राष्ट्रीय प्रसिद्धि मिली।

जम्मू-कश्मीर के लोग अपने सीएम को लेकर चिंतित: शर्मा

नईदिल्ली। जम्मू-कश्मीर में भाजपा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि जब जनता पानी और बिजली के संकट से जूझ रही है, तब सीएम विदेश में छुट्टियां मना रहे हैं। विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने सीएम के दस दिनों से लापता होने का दावा किया और चेतावनी दी कि अगर वह नहीं लौटे तो गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराएंगे।मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के खिलाफ भाजपा के पोस्टर अभियान के बीच, जम्मू और कश्मीर विधानसभा में भाजपा नेता और विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने शनिवार को आरोप लगाया कि यहां के लोग जल संकट और बिजली कटौती से जूझ रहे हैं, और मुख्यमंत्री साहब विदेश में छुट्टियां मना रहे हैं। भाजपा नेता ने आगे आरोप लगाया कि पिछले दस दिनों से मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का कोई पता नहीं चला है। भाजपा विधायक शर्मा ने एएनआई को बताया कि मैं राजनीति में न पड़ते हुए एक गंभीर बात कहने जा रहा हूँ। जम्मू-कश्मीर के लोग अपने मुख्यमंत्री को लेकर चिंतित हैं। अगर कोई मुख्यमंत्री कहीं जाता है, तो आम तौर पर जनता और मीडिया को इसकी जानकारी मिल जाती है... हमने पिछले दस दिनों से अपने मुख्यमंत्री को नहीं देखा है।

विकसित भारत 2047 का रोडमैप तैयार!

सेमीकंडक्टर सेक्टर देगा लाखों जॉब : पीएम मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक नागरिक 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के निर्माण के संकल्प की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने घोषणा की कि भारत में एक व्यापक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला विकसित हो रही है, जिसमें 10 प्रमुख घरेलू इकाइयां निकट भविष्य में वैश्विक स्तर पर प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित एक रोजगार मेले को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि प्रमुख विनिर्माण और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में भारी पूंजी निवेश से देश के युवाओं के लिए लाखों उच्च-गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं, और भारत में सेमीकंडक्टर के लिए एक संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हर भारतीय एक बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, जो है 2047 तक एक विकसित भारत का निर्माण करना। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश विभिन्न क्षेत्रों में निवेश कर रहा है, और यह निवेश देश के युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है। आज भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए एक संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला तैयार की जा रही है। आने वाले समय में, भारत की 10 प्रमुख सेमीकंडक्टर इकाइयां विश्व में अपनी पहचान बनाएंगी।

प्रधानमंत्री ने समुद्री और अयोरस्पेस क्षेत्रों पर सरकार के रणनीतिक फोकस का विस्तार से वर्णन किया, जिसमें देश के भीतर उच्च स्तरीय इंजीनियरिंग क्षमताओं को स्थापित करने के लिए प्रमुख वित्तीय और संरचनात्मक पहलों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने आगे कहा कि आज भारत जहाज निर्माण से लेकर मरम्मत और नवीनीकरण तक का एक संपूर्ण इकोसिस्टम विकसित कर रहा है। इसके लिए लगभग 75,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। इसी प्रकार, हम भारत में ही संपूर्ण



एमआरओ (मशीन रिक्रूटमेंट एंड ऑपरेशन) इकोसिस्टम विकसित कर रहे हैं, जिसमें रखरखाव, नवीनीकरण और मरम्मत सुविधाएं शामिल हैं। इससे देश के विमानन क्षेत्र को काफी मदद मिलेगी और निश्चित रूप से भारत के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वैश्विक साझेदारियां देश के कार्यबल के लिए अभूतपूर्व अवसर खोल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि विश्व उन देशों का बहुत सम्मान करता है जो नवाचार करते हैं, निर्माण करते हैं और बड़े पैमाने पर सेवाएं प्रदान करते हैं। भारत अपनी युवा शक्ति के बल पर इन तीनों दिशाओं में तेजी से प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हर नई साझेदारी के साथ, हम भारतीय स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और युवा पेशेवरों के लिए दुनिया से जुड़ने के नए रास्ते बना रहे हैं। इससे भारतीय युवाओं को उन्नत विशेषज्ञता, वैश्विक बाजारों और विकास के नए अवसरों तक पहुंच मिलेगी। आज दुनिया उन देशों का सम्मान करती है जो नवाचार करते हैं, निर्माण करते हैं और बड़े पैमाने पर परिणाम देते हैं। भारत इन तीनों दिशाओं में तेजी से प्रगति कर रहा है, और इस बदलाव के पीछे सबसे बड़ी ताकत भारत के युवा हैं। मैं दुनिया में जहां भी जाता हूं, भारत की युवा शक्ति पर चर्चा करने में काफी समय व्यतीत करता हूं।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी पर खरगे का केंद्र पर हमला

जनता की कमाई किशतों में लूट रही मोदी सरकार

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने शनिवार को ईंधन की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी करने पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी आम आदमी की कमाई को किशतों में लूट रही है। कीमतों में हुई इस नवीनतम बढ़ोतरी पर प्रतिक्रिया देते हुए खरगे ने कहा कि अतीत में जब अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें गिरीं, तो केंद्र सरकार ने नागरिकों को इसका पूरा लाभ नहीं दिया। उन्होंने कांग्रेस के इस आरोप को भी दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समझौते के तहत काम कर रहे हैं।

खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि पेट्रोल की कीमत अब 100 रुपये के पार पहुंच गई है। इस बार तो जनता की कमाई को किशतों में लूटा जा रहा है! पेट्रोल-डीजल पर प्रतिदिन 1000 करोड़ रुपये का केंद्रीय कर लगाने के बाद भी भाजपा की भूख शांत नहीं हुई है। जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम थीं, तो उन्होंने इसका लाभ जनता तक नहीं पहुंचाया – बल्कि उन्हें बेरहमी से लूटा। जब संकट आया, तो वे सीधे चुनाव में कूद पड़े, और चुनाव के बाद त्याग का उपदेश देने लगे।

प्रशासन के इस दावे का खंडन करते हुए कि भारत में ईंधन की कीमतें विदेशी देशों की तुलना में कम हैं, खरगे ने इस बात का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया कि किस प्रकार अंतरराष्ट्रीय सरकारों ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के आर्थिक प्रभाव से नागरिकों की रक्षा के लिए कदम उठाए। उन्होंने लिखा कि जब पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ा और प्रधानमंत्री मोदी हम भारतीयों को ‘सब ठीक है’ का दिलासा देने में व्यस्त थे, तब अन्य देश अपने नागरिकों को राहत दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि 1. इटली ने ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम किया, जिससे वहां के लोगों को कुछ राहत मिली। 2. ऑस्ट्रेलिया ने उत्पाद शुल्क कम



किया, जिससे नागरिकों के लिए पेट्रोल की कीमतें लगभग 17 रुपये प्रति लीटर कम हो गईं। 3. जर्मनी ने तेल पर कर कम किया, जिससे ईंधन की कीमतें 17–19 रुपये प्रति लीटर कम हो गईं। 4. ब्रिटेन ने परिवारों को तेल सहायता के रूप में 100 पाउंड दिए और ईंधन और बिजली पर कर कम किए। 5. आयरलैंड के 250 मिलियन यूरो के राहत पैकेज से पेट्रोल की कीमतें लगभग 0.15 यूरो प्रति लीटर और डीजल की कीमतें 0.20 यूरो प्रति लीटर कम हो गईं।

उन्होंने लिखा कि नरेंद्र मोदी जी, हमें बताइए— इस किशत आधारित लूट में किस-किस का हिस्सा है? आप इतने समझौतावादी क्यों हैं? इस सरकार में असली संकट नेतृत्व का है, 140 करोड़ भारतीयों को अब यह बात समझ आ गई है। खरगे की ये टिप्पणियां पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बीच आई हैं।

दरअसल, शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिर बढ़ोतरी की गई। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल के दाम में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर तक का इजाफा किया। इससे पिछले दस दिनों में ईंधन की कीमतों में कुल मिलकर लगभग 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है।

स्टेल प्रमुख समाचार

विश्व कप के लिए भारतीय महिला टीम इंग्लैंड रवाना

मुंबई। महिला टी20 विश्व कप के लिए हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम शनिवार को मुंबई से इंग्लैंड रवाना हुई। भारतीय टीम पहली बार इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम करने का लक्ष्य लेकर इस आईसीसी इवेंट में उतरेगी। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप की टूर्नाी अपने नाम की थी और अब उसका लक्ष्य सबसे छोटे प्रारूप में विश्व चैंपियन बनना रहेगा। टीम के खिलाड़ी मुंबई से एक्ससाथ इंग्लैंड रवाना हुए हैं।

महिला टी20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। टी20 विश्व कप से पहले टीम ईंडिया हरमनप्रीत कौर की अगुआई में इंग्लैंड के खिलाफ टीम मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। इस सीरीज की शुरुआत 28 मई को होगी। भारत की नजरें इस सीरीज से अपनी तैयारियों को पुख्ता करने की होगी। टी20 विश्व कप के लिए 12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम ग्रुप-1 में शामिल है। ग्रुप-1 को ‘ग्रुप ऑफ डेथ’ माना जा रहा है, जहां मौजूदा दिग्गज टीमों के साथ भारत-पाकिस्तान की पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी। **ग्रुप 1 :** ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नीदरलैंड। **ग्रुप 2 :** वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड।

भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मैच पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ भारत के मुकाबले भी रोमांचक रहने वाले हैं। भारतीय महिला टीम इस विश्व कप में हरमनप्रीत की कप्तानी में खेलने उतरेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने इस महिने के शुरुआत में टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित की थी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/प्रमुख समाचार

भारत में 50-60 टन तक कम हो सकती है गोल्ड डिमांड

नईदिल्ली। सरकार द्वारा सोने पर आयात शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने के बाद वर्ष 2026 में भारत में स्वर्ण मांग में उल्लेखनीय गिरावट की आशंका जताई गई है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष आभूषण, सोने की छड़ों और सिक्कों की संयुक्त मांग में लगभग 50–60 टन की कमी आ सकती है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 10 प्रतिशत कम होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि आयात शुल्क में यह अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोतरी है, जिससे जुलाई 2024 में की गई शुल्क कटौती प्रभावी रूप से समाप्त हो गई है। इसके साथ ही कीमतों में उतार-चढ़ाव, आया स्तर में बदलाव, महंगाई और मानसून जैसे कारक भी मांग को प्रभावित करेंगे। डब्ल्यूजीसी के अनुसार, सोने की आभूषण मांग अपेक्षाकृत स्थिर रहती है क्योंकि यह विवाह और सामाजिक परंपराओं से जुड़ी होती है।

10 दिन में तीसरी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

नईदिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग का असर अब सीधे आम आदमी की जेब पर दिखने लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी कर दी है। पिछले आठ दिनों के भीतर ईंधन की कीमतों में यह तीसरा इजाफा है। इस ताजा बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। देश के अलग-अलग राज्यों में स्थानीय टैक्स की दरों के कारण इसके दाम थोड़े अलग हो सकते हैं। इस नए उछाल के बाद देश की राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 99.51 रुपये पर पहुंच गई है, जो 100 रुपये के मनोवैज्ञानिक आंकड़े से महज कुछ पैसे दूर है। वहीं, डीजल के दाम बढ़कर 92.49 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

कोटेक हेल्थकेयर, दीपा ज्वैलर्स को आईपीओ लाने मिली मंजूरी

नई दिल्ली। दवा क्षेत्र की कंपनी कोटेक हेल्थकेयर और आभूषण क्षेत्र की कंपनी दीपा ज्वैलर्स को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है। बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कोटेक हेल्थकेयर ने सितंबर 2025 में और दीपा ज्वैलर्स ने दिसंबर 2025 में अपने मसौदा दस्तावेज (डीआएएचपी) दाखिल किए थे। दोनों कंपनियों को 18 मई 2026 को सेबी की टिप्पणिया प्राप्त हुईं, जिसे आईपीओ लाने की मंजूरी माना जाता है। कोटेक हेल्थकेयर का आईपीओ 295 करोड़ रुपये तक के नए शेयर निर्गम के साथ-साथ 60 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का प्रस्ताव है। दीपा ज्वैलर्स का आईपीओ 250 करोड़ रुपए के नए निर्गम और 1,18,48,340 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है।

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी के दाम 1 रुपए बढ़े

नईदिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई बड़े शहरों में गाड़ी चलाना अब और महंगा हो गया है। सरकारी तेल कंपनियों ने एक बार फिर कंप्रीस्ड नेचुरल गैस यानी सीएनजी की कीमतों में 1 रुपये प्रति किलो का इजाफा कर दिया है। पिछले 10 दिनों के भीतर आम जनता को लगा यह तीसरा झटका है। इस ताजा बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में सीएनजी की कीमत बढ़कर 81.09 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। वहीं, नोएडा और गाजियाबाद में अब इसके लिए लोगों को 89.70 रुपये प्रति किलो चुकाने होंगे। इस नए बदलाव के बाद अलग-अलग शहरों में सीएनजी की कीमतें बदल गई हैं। गुरुग्राम में अब सीएनजी 86.12 रुपये प्रति किलो मिल रही है, जबकि ग्रेटर नोएडा में यह रेट 89.70 रुपये प्रति किलो हो गया है।

देर से जागने की कीमत देश ही चुकाएगा



अलावा कोई विकल्प किसी भी देश के पास नहीं है। हां, यह प्रश्न अनुत्तरित है

कि जब दुनिया भर में ऊर्जा संकट से निपटने के उपाय 28 फरवरी को युद्ध के सप्ताह भर बाद ही शुरू हो गए थे, भारत में इतनी देर क्यों हुई? चुनाव लोकतंत्र की प्राण वायु हैं, पर चुनाव जीत कर सत्ता में आने और उसे बनाये रखने की सोच कई बार राजनीतिक नेतृत्व को देश हित में सही समय पर सही फैसले लेने से रोकती भी है। पड़ोसी देशों से ले कर दूर-दराज तक के देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम मार्च में ही बेतहाशा बढ़ गए। विकसित देश भी महंगाई की मार से अछूते नहीं, लेकिन सात मार्च को कमर्शियल और घरेलू गैस

सिलेंडर के दामों में कुछ वृद्धि के अलावा इस मोर्चे पर हमारी सरकार मौन ही रही। विपक्ष द्वारा व्यक्त आशंकाओं को दरकिनार करते हुए देश में पर्याप्त भंडार का दावा कर सरकार देशवासियों को महंगाई से बचाए रखने का भरोसा भी देती रही। अतीत के अनुभवत है महेनजर समझ पाना मुश्किल नहीं था कि सरकार की यह सद्भावना 5 राज्यों में मतदान तक ही है। हमने अतीत में भी देखा है कि सरकारी तेल कंपनियां चुनाव के दौरान जनता के प्रति इतनी संवेदनशील हो जाती थीं कि अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ जाने पर भी देश में कीमत नहीं बढ़ाती थीं, लेकिन मतदान समाप्ति की शाम ही सारी कसर पूरी कर लेती थीं।

उस लिहाज से मोदी सरकार ने ज्यादा धैर्य दिखाया। मतदान के अंतिम चरण के बाद ही कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में भारी-भरकम वृद्धि की गई तथा महंगाई की बाकी

मार के लिए खुद प्रधानमंत्री ने अपील कर देशवासियों को तैयार किया।जब अंतराष्ट्रीय कारणों से वैश्विक संकट है तो झेलना पड़ेगा ही। हां, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका के चलते ऐसे जरूरी कदम भी दो माह बाद उठाने के लिए सरकार की आलोचना की जा सकती है। अगर कोरोना काल में बिना तामझाम सादगी से चुनाव हो सकते थे, तो इस बार क्यों नहीं? ऊर्जा संकटकाल में धुंआधार चुनाव प्रचार में फूँके गए पेट्रोल-डीजल की जवाबदेही किसकी है? शक्ति प्रदर्शन के रूप में हुए नई सरकारों के शपथ ग्रहण में तमाम बड़े नेता कार पूल करके आये थे? थोक महंगाई दर पहले ही उच्च स्तर पर पहुंच चुकी है और अतीत का अनुभव बताता है कि तेल कंपनियों को इस बीच हुए नुकसान की भरपाई अंततः उपभोक्ताओं को ही करनी पड़ेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ‘हम होंगे कामयाब 2.0’ वेब पोर्टल किया लांच

एक क्लिक से रोजगार पाने का अवसर

■ पोर्टल पर पंजीयन कर आत्मनिर्भर बनने युवाओं से की अपील



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सुशासन तिहार अंतर्गत बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखंड भाटापारा अंतर्गत ग्राम करहीबाजार में आयोजित शिविर में स्टॉल अवलोकन के दौरान जिला प्रशासन द्वारा विकसित ‘हम होंगे कामयाब 2.0’ वेब पोर्टल को लांच किया। इस वेब पोर्टल पर युवाओं को नियोक्ता, रिक्रिया, प्रशिक्षण की जानकारी सहित कैरियर मार्गदर्शन भी मिलेगा। युवा अपनी योग्यता और रूचि के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार या स्वरोजगार से जुड़ सकते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने इस वेब पोर्टल की सराहना करते हुए इसे जिला प्रशासन की अनुकरणीय

पहल बताया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने कौशल विकास को प्राथमिकता दे रही है। अनेक योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं जिसमें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना प्रमुख हैं। मुख्यमंत्री ने ‘हम होंगे कामयाब वेब पोर्टल’ पर पंजीयन कर प्रशासन की इस पहल का लाभ उठाने युवाओं को प्रोत्साहित भी किया। हम होंगे कामयाब 2.0’

युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, करियर मार्गदर्शन और रोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के लिए तैयार किया गया एक वेब पोर्टल है। वर्तमान में पोर्टल में अब तक कुल पंजीकृत युवा 468, रिक्रियां 513 एवं 21 ट्रेड उपलब्ध हैं। पोर्टल में नियोक्ता, उपलब्ध रिक्रियां, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं विद्यार्थी एक ही पोर्टल पर पंजीकृत होंगे। नियोक्ता में सीमेंट प्लांट से 75, रोजगार कार्यालय से 286, जिसमें राज्य के बाहर स्थित संस्थानों के 150 रिक्रियां सम्मिलित है। अपनी

योग्यता और रूचि के अनुरूप युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार या स्वरोजगार से जुड़ सकते हैं। इस पोर्टल नियोक्ता भी अपनी रिक्रियां के लिए इच्छुक और योग्य युवाओं से प्रत्यक्ष संपर्क कर सकते हैं। हम होंगे कामयाब 2.0 के माध्यम से युवा करियर मार्गदर्शन, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार सह रिक्रियां की जानकारी, स्वरोजगार हेतु विशेष मार्गदर्शन व सहायता, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग की उपलब्धता जानकारी हासिल कर सकते हैं। इस पोर्टल की मदद से एक क्लिक से रोजगार भी संभव है। इस वेब पोर्टल में 8वीं पास से लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं को उनकी योग्यता अनुसार जॉब की जानकारी, सीधा आवेदन बिना किसी एजेंट और बिना किसी कागजी कार्यवाही के सीधे एक

क्लिक में उपलब्ध है। युवाओं के भविष्य को सही दिशा देने के लिए अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा करियर मार्गदर्शन पूरी तरह निःशुल्क है। इस पोर्टल पर युवाओं को रोजगार के संबंध में साइबर फ्रॉड और धोखाधड़ी से सुरक्षित रखने हेतु शासकीय विभागों व औद्योगिक संस्थानों को एक ही मंच में जोड़ा गया है।

इस अवसर पर इस दौरान राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, विशेष सचिव रजत बंसल, कलेक्टर कुलदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक ओपी शर्मा, डीएफओ गणवीर धम्मशील सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।



रायपुर। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के तहत भारतीय जनता पार्टी जिला रायपुर के द्वारा आज 23 मई से दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ हुआ जिसका समापन रविवार 24 मई को सायंकाल 6 बजे होगा।

इस प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में प्रदेश संघटन महामंत्री पवन साय एवं छ.ग. के केबिनेट मंत्री गुरु खशवंत साहेब एवं पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुये। पवन साय ने कहा भारतीय जनता पार्टी की कार्य करने की पद्धति संघटन का विस्तार इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने

बताया की किस प्रकार से हमारी दो सीट से केंद्र में बहुमत की तीसरी बार सरकार बनाने में संगठन की रीती-निति कार्यकर्ताओं का परिश्रम इन सब के कारण ये संभव हो सका।

प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव जी ने कार्यकर्ताओं को वर्तमान समय के परिपेक्ष में किस तरह कार्यकर्ताओं का अपना स्वयं का व्यक्तित्व विकास हो और भाजपा सरकार की योजनाओं को जन सामान्य तक प्रचारित करने का मूल मंत्र दिया। उन्होंने आपस में समन्वय और संवाद कर विशेष बनाये रखने के बारे में कार्यकर्ताओं को आवाहन किया। प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिवस में प्रदेश उपाध्यक्ष

नंदन जैन, वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा जी, केबिनेट मंत्री ओ.पी. चौधरी जी, सोशल मीडिया प्रदेश संयोजक मितुल कोठारी जी द्वारा समसामरिक विषयों पर इन सभी के द्वारा कार्यकर्ताओं को संबोधन किया गया। जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर जी द्वारा प्रशिक्षण वर्ग से संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी पेश की।आज के प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश मंत्री अमित साहू, जयंती पटेल, प्रशिक्षण प्रभारी एवं प्रदेश कार्यालय प्रभारी अशोक बजाज, मीडिया प्रभारी हेमंत पाणिग्रही, रायपुर संभाग सह प्रभारी डॉ. राजीव सिंह, जिला प्रभारी राजेंद्र शर्मा, रायपुर विधायक राजेश मृणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, महोपारी मती मोनल चौबे, संजय वास्तव, दीपक महर्स्के, नंदकुमार साहू, मिर्जा एजाज बेग, सु मोना सेन, प्रफुल्ल विश्वकर्मा, सच्चिदानंद उपपासे एवं रायपुर में निवासरत प्रदेश, जिला, मंडल, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेहतर विभागीय समन्वय से कार्यों में लाएं तेजी: सचिव बंसल

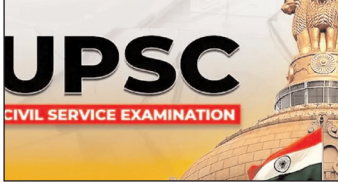


रायपुर। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज मुंगेली जिले का दौरा कर निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण और समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ फील्ड में उतरकर निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। श्री बंसल ने

निर्माणाधीन लोरमी बायपास सड़क का निरीक्षण कर विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों को इसे समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। विभागीय सचिव ने मुंगेली सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और तेजी दोनों सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इनमें कोई कोताही नहीं बरती जाए। उन्होंने नगरीय निकायों तथा अन्य

विभागों से समन्वय के साथ सड़क निर्माण के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने खराब सड़कों में पैच-वर्क कराने भी कहा। श्री बंसल ने सुगम यातायात को शासन की प्राथमिकता बताते हुए गांवों को उन्होंने फील्ड का नियमित दौरा कर चल रहे कार्यों का बारीकी से निरीक्षण कर गुणवत्ता और समय-सीमा में कार्य पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुंगेली के कलेक्टर कुन्दन कुमार, डीएफओ अभिनव कुमार, जिला पंचायत के सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, बिलासपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता आर.के. रात्रे, राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता ज्ञानेश्वर कश्यप, अधीक्षण अभियंता के.पी. संत, कार्यपालन अभियंता शरद सतपथी, आर.के. खामरा और नीतिश तिवारी भी बैठक में मौजूद थे।

सिविल सर्विस प्रारंभिक परीक्षा आज, 13 हजार 319 कैडिडेट्स देंगे परीक्षा



रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विस प्रारंभिक परीक्षा कल को होगी। पहली पाली में सुबह 9.30 से 11.30 बजे तक और दूसरी पाली में दोपहर 2.30 से 4.30 बजे तक होगी। पहली पाली के लिए सुबह 9 बजे और दूसरी पाली के लिए दोपहर 2 बजे परीक्षा केंद्र का मेन गेट बंद कर दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ में रायपुर और बिलासपुर में एग्जाम सेंटर बनाए गए हैं, जहां 13 हजार 319 कैडिडेट्स एग्जाम देंगे।

रायपुर जिले में 22 एग्जाम सेंटर हैं, जहां करीब 8 हजार 449 कैडिडेट्स प्रीलिम्स एग्जाम देंगे। वहीं बिलासपुर में 14 सेंटर हैं जहां 4 हजार 870 परीक्षार्थी परीक्षा में

शामिल होंगे। इस बार परीक्षा में पहली बार फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम लागू किया गया है। कैडिडेट्स को एग्जाम सेंटर में एंट्री से पहले फेस ऑथेंटिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। यानि कैडिडेट्स जब सेंटर पहुंचेंगे तो उनका फेस स्कैन किया जाएगा। वेरिफाइड होने के बाद उन्हें अंदर जाने दिया जाएगा।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अभ्यर्थियों से परीक्षा शुरू होने से कम से कम आधा घंटा पहले सेंटर पहुंचने की अपील की है। तय समय के बाद किसी भी अभ्यर्थी को एंट्री नहीं मिलेगी। कलेक्टर ने एग्जाम सेंटर के 500 मीटर तायरे में ध्वनि प्रदूषण और किसी भी तरह की अव्यवस्था रोकने के निर्देश दिए हैं। गोपनीय सामग्री को वितरण जिला कोषालय से किया जाएगा और परीक्षा के दौरान पुलिस की पेट्रोलिंग टीम लगातार निगरानी रखेगी।

कमिश्नरेट रायपुर को मिली अत्याधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वैन की सौगात

रायपुर। राजधानी रायपुर में अपराध अनुसंधान एवं वैज्ञानिक जांच व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल की गई। सी-4, सिविल लाइन रायपुर में 02 अत्याधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वैन को डायरेक्टर एफएसएल सुशील चंद्र द्विवेदी एवं पुलिस कमिश्नर रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा हरी झंडी दिखाकर कर्तव्य स्थल पर रवाना किया गया। इन आधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वाहनों के माध्यम से अब घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक साक्ष्यों का त्वरित संकलन एवं प्रारंभिक परीक्षण किया जा सकेगा, जिससे अपराधों की जांच अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सशक्त होगी।

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने



कहा कि वर्तमान समय में अपराध अनुसंधान में वैज्ञानिक तकनीकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। मोबाइल फोरेंसिक वैन के संचालन से घटनास्थल पर तुरंत पहचान साक्ष्यों को सुरक्षित किया जा सकेगा तथा अपराधों के शीघ्र खुलासे में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में यह सुविधा पुलिस रिसर्प्स सिस्टम को नई मजबूती प्रदान करेगी। उक्त दोनों सीन ऑफ क्राइम वाहनों में विभिन्न प्रकार के अपराध स्थलों से साक्ष्य एकत्र

करने हेतु आधुनिक फोरेंसिक किट, परीक्षण उपकरण एवं आवश्यक तकनीकी साधन उपलब्ध कराए गए हैं। इन मोबाइल प्रयोगशालाओं की विशेषता यह है कि इनका उपयोग रात्रिकालीन जांच कार्यों में भी प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। वाहनों के माध्यम से घटनास्थल पर ही आवश्यक फोरेंसिक परीक्षण एवं साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया को तीव्र गति से पूर्ण किया जा सकेगा तथा प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भी मौके पर उपलब्ध हो सकेगी।

डीजल-पेट्रोल का दाम बढ़ना जनता पर अत्याचार: दीपक बैज

रायपुर। 10 दिन में तीसरी बार डीजल-पेट्रोल का दाम बढ़ना जनता पर अत्याचार है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार डीजल-पेट्रोल का दाम लगातार बढ़ाते जा रही है। डीजल-पेट्रोल के दामों में 87 पैसे पेट्रोल और डीजल पर 91 पैसे की बढ़ोत्तरी की गयी है। इसके पहले दो बार बढ़ोत्तरी हुई थी। पहले 3.30 पैसे फिर 95 पैसे कुल 5 रू. लगभग बढ़ोत्तरी की जा चुकी है। मोदी सरकार डीजल-पेट्रोल के दाम में 20 रू. की बढ़ोत्तरी करना चाह रही। इसीलिए डीजल-पेट्रोल की कुत्रिम संकट पैदा की गयी है। मोदी से देश नहीं संभल रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार को पेट्रोल-डीजल का रेट बढ़ाना था, इसलिये कमी का ड्रामा किया गया। प्रधानमंत्री मोदी को पेट्रोल-डीजल का रेट बढ़ाना था, तो उन्होंने उसके पहले संकट का पूरा माया जाल रचा, रेट तो बढ़ाया ही जनता को परेशान कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी की अदूरदर्शी अपील के कारण देश में पेट्रोल-डीजल को लेकर अफरा-तफरी का माहौल बनाया। प्रधानमंत्री ने अपने अपील के कारण पूरे देश में भय पैदा कर दिया, लोग पेट्रोल, डीजल के संकट के भय से ग्रसित होकर पेट्रोल पंपों पर लाइन लगा रहे हैं। आज भी शहरों के आउटर के पेट्रोल पंपों में डीजल नहीं मिल रहा है।



काली कमाई के लिये अवैध शराब बिकवा रहा है: शुक्ला

रायपुर। प्रदेश में अवैध शराब गली कुचों में बिक रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सुशासन तिहार में मंत्री दयालदास बघेल ने मंच से अवैध शराब बिकने के बात स्वीकार किया था। अब वरिष्ठ भाजपा नेता, सांसद बृजमोहन अग्रवाल अवैध शराब गली कुचे में बिकने की बात स्वीकार कर रहे हैं। जब से राज्य में भाजपा की सरकार बनी है, छत्तीसगढ़ अवैध शराब का गढ़ बन गया है। पूरे प्रदेश में बिना होलीग्राम की तथा नकली शराब बिक रही, सरकारी भट्टियों से बिना होलीग्राम की शराब कोचिये ले जाकर बेच रहे हैं। शराब की काली कमाई का पैसा किसकी जेब में जा रहा है, जनता जानना चाह रही? क्या ईडी, ईओडब्ल्यू इसकी जांच करेगा? सरकार बताये वो कौन है जो काली कमाई के लिये प्रदेश में अवैध शराब बिकवा रहा है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल तो रायपुर शहर के मुहल्ले तक बता रहे हैं कि कहां-कहां पर खुलेआम शराब बिक रही है। वे यह भी बता रहे कि बड़े-बड़े लोग शराब बिकवा रहे। सत्ता रूढ़ दल के सांसद के खुलासे के बाद सरकार अवैध शराब बेचने वालों पर कार्यवाही क्यों नहीं कर रही है। जब मंत्री सांसद मंचो से बता रहे हैं कि प्रदेश में अवैध शराब बिक रही, फिर सरकार में बैठ वहां ताकतवर आदमी कौन है।



मौत की जांच भृत्य एवं ड्राइवर कैसे करेंगे: ठाकुर

रायपुर। भानुप्रतापपुर सरकारी अस्पताल में डॉक्टर की लापरवाही से हुई प्रसूता एवं नवजात की मौत के लिए गठित जांच दल पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल से पूछा भानुप्रतापपुर में डॉक्टर की लापरवाही के चलते आदिवासी वर्ग की प्रसूता एवं नवजात की मौत हो गई है। जिसकी जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने विभाग द्वारा गठित जांच दल में भृत्य एवं ड्राइवर को क्यों जिम्मेदारी दी गई है, सवाल ये उठता है। डॉक्टर की संवेदनहीनता, अस्पताल की अव्यवस्था एवं तकनीकी जांच भृत्य एवं ड्राइवर कैसे करेंगे? ये तो सीधा-सीधा मौत के लिए जिम्मेदारों को बचाने का षड्यंत्र है। क्या विभाग में डॉक्टर लापरवाही के जांच करने के लिए समकक्ष डॉक्टर या जिला के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नहीं हैं? सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन भी है डॉक्टर के खिलाफ जांच उनके समक्ष ही करेगी। फिर भृत्य एवं ड्राइवर को कैसे जांच दल की जिम्मेदारी दी गई है? प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार में स्वास्थ्य व्यवस्था गंभीर रूप से बीमार है। जिला अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, दवाइयों सहित सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है।



भाजपा के कुशासन में प्रदेश बना अपराधगढ़: वर्मा

रायपुर। बिगड़ती कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध को लेकर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि एक तरफ सरकार सुशासन तिहार मना रही है, दूसरी तरफ राजधानी सहित पूरे प्रदेश में हत्याओं का दौर रफक नहीं रहा है। रायपुर के चूनाभट्टी इलाके में चाकू मारकर एक युवक की हत्या कर दी गई, राजधानी से लेकर दुर्ग और गृह मंत्री के गृह जिले कवर्धा तक चाकूबाजी और हत्या इस सरकार की अक्षमता का प्रमाण है। भाजपा के कुशासन में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन चुका है और राजधानी रायपुर क्राइम कैपिटल। प्रदेश में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और खुलेआम हो रही आपराधिक वारदातों, गैंगवार और दहशतगर्दी के कारण आम जनता में भय का माहौल है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि बढ़ते अपराधों का प्रमुख कारण इस सरकार द्वारा नशी के कारोबार को दिया जाने वाला संरक्षण है, जिसकी वजह से हिसक वारदातें बढ़ रही हैं। रायगढ़, कोरबा, रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर सहित पूरे प्रदेश में दिन-दहाड़े हत्या और चाकूबाजी की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है। सरेंआम हो रही हिसक वारदातों से पुलिस व्यवस्था, प्रशासन और सरकार की क्षमता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

आकाशवाणी रायपुर में स्वरोत्सव का आयोजन

रायपुर। आकाशवाणी की गौरवशाली 90 वर्ष की यात्रा के उपलक्ष्य में आकाशवाणी रायपुर द्वारा उपशास्त्रीय एवं सुगम संगीत समारोह स्वरोत्सव का आयोजन किया गया। स्थानीय विनायरा ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में ख्यातिप्राप्त कलाकारों ने अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में संगीत प्रेमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही तथा देर तक सभागार तालियों की गूंज से सराबोर रहा। कार्यक्रम का शुरुआत सुप्रसिद्ध कलाकार श्वेता शिवाले एवं उर्मी दुबे की युगल प्रस्तुति से हुई। दोनों कलाकारों ने दादरा, मिर्जापुरी कजरी, सावनी नगमा तथा विभिन्न गीतों की मनोहारी प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। आन मिलो सजना और मिर्जापुर कजरी जैसी प्रस्तुतियों को दर्शकों ने विशेष सराहना दी। इसके पश्चात प्रसिद्ध गायक पद्मश्री मदन चौहान ने सुगम संगीत की प्रस्तुति दी। कबीर भजन, गजल तथा सुफियाना कलाम की उनकी प्रभावशाली प्रस्तुति ने पूरे सभागार को आध्यात्मिक और संगीतमय वातावरण से भर दिया। आकाशवाणी रायपुर के उपमहानिदेशक एवं कलस्टर प्रमुख श्री वी. राजेश्वर ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत करते हुए कहा कि स्वरोत्सव आकाशवाणी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोकसेवा प्रसारण की परंपरा का जीवंत उदाहरण है।

सहकार से समृद्धि की ओर छह राज्यों की क्षेत्रीय सहकारिता कार्यशाला संपन्न

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सहकार से समृद्धि की संकल्पना को धरातल पर उतारने के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा नवा रायपुर में पूर्वी क्षेत्र के छह राज्यों की एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने की। इसमें सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक, आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बिहार, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, ओडिशा और



पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ अधिकारी कार्यशाला में शामिल हुए। यह कार्यशाला ग्रामीण विकास, किसानों की आय वृद्धि और सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। सहकारिता आधारित योजनाओं से गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा किसान, पशुपालक और मत्स्य

पालक आत्मनिर्भर बनेंगे। बैठक में केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की पहल पर संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सहकारी संस्थाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ। डेयरी, मत्स्य एवं बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के गठन और

सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया गया। देशभर में 2 लाख नई डेयरी, मत्स्य एवं बहुउद्देशीय पैक्स समितियों के गठन की दिशा में हो रही प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही विश्व की सबसे बड़ी सहकारी अनाज भंडारण योजना के क्रियान्वयन पर भी विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि पैक्स समितियों को केवल ऋण वितरण तक सीमित न रखकर बहुउद्देशीय ग्रामीण सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत खाद-बीज वितरण, धान खरीदी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, डेयरी, मत्स्य पालन, वेयरहाउसिंग और ग्रामीण उद्योगिता जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा

रहा है। इससे किसानों और ग्रामीणों को गांव स्तर पर ही बेहतर सुविधाएं और रोजगार के अवसर मिलेंगे।

व्यवसायिक विस्तार पर जोर

कार्यशाला में पैक्स समितियों के बिजनेस डायवर्सिफिकेशन यानी व्यवसायिक विस्तार पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम में केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के अपर सचिव सिद्धार्थ जैन, संयुक्त सचिव रमन कुमार, छत्तीसगढ़ शासन के सचिव सहकारिता डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, आयुक्त सहकारिता एवं पंचायत महादेव कावरे, एनडीडीबी आनंद, गुजरात के डॉ. वी. श्रीधर एवं सीनियर मैनेजर ऋषिकेश कुमार उपस्थित रहे।

गुलमर्ग में रसायन एवं उर्वरक संबंधी संसदीय स्थायी समिति की उच्च स्तरीय बैठक संपन्न



गुलमर्ग(जम्मू-कश्मीर)/ रायपुर। रसायन एवं उर्वरक संबंधी संसदीय स्थायी समिति के देशव्यापी अध्ययन दौरे के तहत आज जम्मू-कश्मीर के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और अनौपचारिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्य व रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने धरती के स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर के पर्यावरण को सहेजने और इसे

प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में कड़े कदम उठाने पर जोर दिया। इस उच्च स्तरीय बैठक में जम्मू-कश्मीर सरकार के रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग तथा केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के वरिष्ठ प्रतिनिधियों व विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा हुई। चर्चा का मुख्य केंद्र बिंदु जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों की स्थापना करना और यहाँ प्लास्टिक के उपयोग को

न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा करना रहा। बैठक के दौरान अपने विचार साझा करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, कश्मीर केवल भारत का ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का गौरव है। इसकी अलौकिक प्राकृतिक सुंदरता को देखने हर साल यहाँ देश-विदेश से लाखों सैलानी आते हैं। पर्यटकों की इस भारी तादाद के कारण यहाँ प्लास्टिक कचरे का दबाव भी लगातार बढ़ रहा है। अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह अनियंत्रित प्लास्टिक कचरा यहाँ के नाजुक पर्यावरण, खूबसूरत वादियों, ग्लेशियरों और जल स्रोतों को अपूरणीय क्षति पहुंचा सकता है।